मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 42 ■ अंक : 280 ■ मंगलवार, 4 फरवरी 2025 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

FOLLOW US @ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com Google Play
GET IT ON ULHAS VIKAS Google Play
Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel Subscribe

पृष्ठ... 4 पर पढ़ें..

जब ऐश्वर्या राय को नहीं छोड़ा तो मैं कौन हूं?

23 मनपाओं का वर्गीकरण अधर में

■ जनगणना के अभाव में लटका मामला

■ वित्तीय सहायता के लिए मानदंड निर्धारित करने में स्पष्टता जरूरी

कल्याण. महानगर पालिकाओं को 3 मानदंडों के आधार पर वर्गीकृत किया जाता हैः जनसंख्या, प्रति व्यक्ति आय, और प्रति व्यक्ति क्षेत्रफल, जो आमतौर पर हर 10 वर्ष में जनगणना के बाद किया जाता है। हालांकि, हर 10 साल में होने वाली जनगणना कोरोना संक्रमण के कारण 2021 में नहीं हुई। इसलिए, यह बताया गया है कि राज्य में 23 महानगरपालिकाओं, जो समूह बी, सी और डी में हैं, का संशोधित वर्गीकरण अधर में पड़ा है।

कैसे किया जाता है वर्गीकरण!

1 करोड़ से अधिक जनसंख्या और 50 हजार रुपये से अधिक प्रति व्यक्ति आय वाली नगर पालिकाएं ग्रुप 'ए' में हैं, 25 से 1 करोड़ की जनसंख्या और 8 हजार रुपये प्रति व्यक्ति आय वाली नगर पालिकाएं ग्रुप 'ए' में हैं '. 15 से 25 लाख की आबादी और 5 हजार रुपये प्रति व्यक्ति आय वाली नगर पालिकाएं ग्रुप 'बी' में हैं। 'ग्रुप' श्रेणी में 10 से 15 लाख की आबादी और 5 हजार रुपये प्रति व्यक्ति आय वाली नगर पालिकाओं को शामिल करने के मानदंड वर्ष 2014 में प्रति व्यक्ति आय 3,000 रुपये तक की सीमा को 'ग्रुप सी' में तथा 3 से 10 लाख की आबादी वाली नगर पालिकाओं को 'ग्रुप डी' में रखा गया था। समूह 'घ' नगर निगमों के लिए प्रति व्यक्ति आय की कोई आवश्यकता नहीं है।

राज्य में महानगर पालिका के प्रशासनिक एवं तकनीकी कार्यों में एकरूपता एवं समानता लाने तथा वित्तीय स्त्रोतों को ध्यान में रखते हुए कमजोर महानगर पालिकाओं को केन्द्र एवं राज्य सरकारों द्वारा प्रदान किये जाने वाले अनुदान एवं वित्तीय सहायता के मानदण्ड निर्धारित करने के लिए मनपा की स्थापना और उनकी स्वयं की आय तथा विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन में सहायता के लिए 2001 की जनगणना के अनुसार 4 मई 2006 को 22 महानगरपालिकाओं को वर्गीकृत किया गया। वर्गीकरण करते समय, उपयोग किए गए मानदंड संबंधित मनपा की जनसंख्या, प्रति व्यक्ति आय और प्रति व्यक्ति क्षेत्र थे।

साथ ही, सरकार ने अब से हर 10 साल बाद जनगणना के आंकड़े उपलब्ध होने के बाद मनपा को पुनर्वर्गीकृत करने का भी प्रावधान किया है। 2012 में राज्य में चार नए महानगरपालिका अस्तित्व में आयेः चंद्रपुर, परभणी, वसई-विरार और लातूर। अब राज्य में महानगर पालिकाओं की संख्या 26 हो गई है। 2011 की जनगणना को ध्यान में रखते हुए 1 सितंबर 2014 को महानगर पालिकाओं का पुनर्वर्गीकरण किया गया।

वर्तमान में राज्य के 26 महानगरपालिकाओं में से केवल बृहन्मुंबई मनपा ही ग्रुप 'ए+' में है। नागपुर और पुणे नगर निगम ग्रुप 'ए' में हैं। 2014 में नगर निगमों का वर्गीकरण करते समय, नागपुर नगर निगम की जनसंख्या 'ए' श्रेणी के लिए प्रस्तावित मानदंड के करीब थी। हालाँकि, प्रति व्यक्ति आय घट रही है। फिर भी, नागपुर को विशेष मामले के रूप में 'ए' श्रेणी का दर्जा दिया गया, क्योंकि इसे राज्य की उप राजधानी का दर्जा प्राप्त है।

इसके अलावा, नासिक नगर निगम ग्रुप 'सी' में था। जनसंख्या मानदंड मेल नहीं खाता। हालाँकि, इस नगर निगम को भी प्रति व्यक्ति आय मानदंड पूरा होने के कारण श्रेणी 'बी' में एक विशेष मामले के रूप में मान्यता दी गई थी। पिछले 15 वर्षों से कोई जनगणना नहीं हुई है। इस दौरान सभी संदर्भ बदल गए हैं। कई शहरों की जनसंख्या में काफी वृद्धि हुई। प्रति व्यक्ति आय में भी वृद्धि हुई है। हालाँकि, चूंकि जनगणना नहीं हुई है, इसलिए वर्गीकरण का प्रश्न बना हुआ है।

तीन नगर निगम, पिंपरी-चिंचवड़, ठाणे और नासिक, ग्रुप 'बी' में हैं. चार महानगर पालिका कल्याण-डोंबिवली, छत्रपति संभाजीनगर, वसई-विरार, नवी मुंबई ग्रुप 'सी' में हैं, जबकि शेष 16 मनपा समूह 'डी' में हैं. इसमें अमरावती, कोल्हापुर, अहिल्यानगर और अकोला जैसे बड़े महानगरीय शहर शामिल हैं। 23 नगर पालिकाओं को वर्गीकरण के लिए जनगणना तक इंतजार करना होगा।

दिनदहाड़े महिला की हत्या से मची खलबली

■ हत्या का आरोपी राहुल गिरफ्तार

■ पेट में चाकू मार कर सीमा की हुई हत्या

यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ में दिनदहाडे एक महिला की पेट में चाकू मार कर एक युवक ने निर्मम हत्या कर दी। जिसके कारण पूरे शहर में हडकंप मच गया है.

शिवाजी नगर पुलिस ने आरोपी राहुल भींगारकार को गिरफ्तार कर लिया है. मृतक महिला का नाम सीमा कांबले है. ये घटना शटर पूर्व में हुतात्मा चौक से रेल्वे स्टेशन आने के लिये बनाये गये पुल पर साईबाबा मंदिर के पास हुई है.

जानकारी के अनुसार दोनों पुल की सीढ़ियों पर बात करते बैठे थे कि दोनों में विवाद हो गया और आरोपी राहुल ने चाकू से सीमा ने पेट में दो वार करके उसे गंभीर घायल कर दुया. महिला को पास के एक निजी अस्पताल में कुछ राहगील ले गए, लेकिन डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया. महिला विवाहित है और पति से अलग रहती है. वह अपनी बेटी के साथ शहर पूर्व के बारकुपाड़ा में रहती है. आरोपी राहुल भी उसने पडोस में रहता है. दोनों के एक-दूसरे से सम्बंध थे. सीमा ने राहुल को ढाई लाख रुपये दे रखे थे. वह राहुल से अपने पैसे मांगा करती थी. शायद इसी बात को ले कर दोनों में झगडा हो गया और राहुल ने सीमा की हत्या कर दी होगी, ऐसा कहा जा रहा है. एक चश्मदीद वृद्ध महिला ने हत्यारे से कहा भी कि वह महिला को न मारे, लेकिन उसने वृद्धा को भी धमकी दी कि यहां से चले जाओ। नहीं तो तुमको भी मार दूंगा.

जानकारी मिली है कि सीमा की हत्या करने के बाद हत्यारा राहूल स्वतः पोलिस स्टेशन में जाकर हाजिर हो गया है. घटना सोमवार दोपहर एक बजे की है. मामले की अधिक जांच शिवाजी नगर पुलिस कर रही है.

अंबरनाथ में बढ़ रही आवारा कुत्तों को संख्या

■ नगर परिषद को निर्बीजीकरण के लिए नहीं मिल रही संस्था

■ गत वर्ष 5 हजार लोगों को कुत्तों ने काटा

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद को गत 6 महिने से श्वान (कुत्ता) के निर्बीजीकरण के लिए ठेकेदार संस्था ही नहीं मिल पा रही है. गत 6 महिनों से नपा प्रशासन ने तीसरी बार निविदा सूचना प्रकाशित की है. संस्था नहीं मिल पाने के कारण शहर में कुत्तों की संख्या में बढ़ोतरी हो रही है. गत वर्ष शहर के 5 हजार लोगों को आवारा कुत्तों ने काटा है. आवारा कुत्तों को मारना अपराध है. इसी कारण शहर में बढ़ते आवारा कुत्ते वाहनों की जद में आकर मारे जा रहे हैं और उन वाहन चालकों पर अपराध भी दर्ज किया जा रहा है.

इस कुत्तों पर नियंत्रण करना नगर परिषद की जिम्मेदारी है. आवारा कुत्तों के निर्बीजीकरण के लिए अंबरनाथ नगर परिषद ने निविदा सूचना जारी की है. गत 6 महिने में 3 बार निविदा निकालने के बाद शहर में इस बात की चर्चा है कि देखना है कि इस बार नपा को संस्था मिल पाती है या नहीं. जब तक कोई नई संस्था नहीं मिल जाती तब तक पुरानी संस्था को कुत्तों के निर्बीजीकरण करने का कार्य शुरू रखने के लिए कहा गया है. ये पुरानी संस्था इस तरफ ध्यान नहीं दे रही है. नपा ने संस्था को सब्जी मंडी के पास एक जगह दे रखा है. यहां पर कोई जानवर का डॉक्टर मौजूद नहीं है. निर्बीजीकरण का कार्य भी रुका हुआ है. इसलिए शहर में आवारा कुत्तों की संख्या में दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही है.

उल्हासनगर के प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाने की मांग

उल्हासनगर. उल्हासनगर रेलवे स्टेशन पर प्लेटफॉर्म की ऊंचाई कम होने के कारण रेल यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने-उतरने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में कई यात्रियों ने रेलवे शिकायत पुस्तिका में लिखकर लोकल और प्लेटफार्म के बीच की दूरी कम करने की मांग की है, लेकिन रेलवे प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। प्लेटफॉर्म की कम ऊंचाई और प्लेटफॉर्म तथा ट्रेन के बीच अधिक दूरी के कारण विकलांगों, गर्भवती महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, बच्चों और यहां तक कि सामान्य यात्रियों को भी ट्रेन में चढ़ने में असुविधा हो रही है। कई लोग ट्रेन में चढ़ते समय लेट भी जाते हैं। इस गंभीर मुद्दे को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता एड. प्रशांत चंदनशिव ने मध्य रेलवे के महाप्रबंधक को लिखित बयान देकर चेतावनी दी है कि अगर दस दिन के भीतर प्लेटफॉर्म की ऊंचाई नहीं बढ़ाई गई और ट्रेन और प्लेटफॉर्म के बीच की दूरी समानांतर नहीं की गई तो वे आमरण अनशन पर बैठ जाएंगे।

उल्हासनगर रेलवे स्टेशन प्रबंधक सरिता नित्यानंद ने बताया कि रेलवे स्टेशन की शिकायत पुस्तिका में प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच की दूरी को लेकर कई लोगों ने शिकायत दर्ज कराई है। इसकी जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दे दी गई है। रेलवे प्रशासन उचित कार्रवाई करेगा।

विद्यार्थियों को मिलेगा एक और अध्ययन कक्ष

उल्हासनगर. महानगर पालिका ने स्कूल क्रमांक 17 में दूसरा सर्वसुविधायुक्त अध्ययन कक्ष स्थापित किया है, ताकि शहर के बच्चे राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकें। अतिरिक्त आयुक्त जमीर लेंगरेकर ने बताया कि ऐसे अध्ययन केन्द्र का कार्य, जहां एक समय में सौ विद्यार्थी अध्ययन कर सकें, अंतिम चरण में है।

उल्हासनगर महानगरपालिका ने वर्ष 2016-17 में मनपा स्कूल परिसर में तीन मंजिला डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर अभियासिका का निर्माण किया है। अकादमी के माध्यम से सैकड़ों छात्र विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं और पिछले

पांच वर्षों में सैकड़ों बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता प्राप्त कर अकादमी के उद्देश्यों को पूरा किया है। देशमुख नामक छात्र ने यूपीएससी परीक्षा में सीधे तौर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और एमपीएससी परीक्षा सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। तत्कालीन आयुक्त डॉ. मनोहर हिरे और महापौर अपेक्षा पाटिल, उप महापौर पंचशीला पवार और उपायुक्त जमीर लेंगरेकर की अवधारणा से प्रेरित थे।

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर अभ्यासिका के उदाहरण का अनुसरण करते हुए, चोपड़ा कोर्ट क्षेत्र में स्कूल नंबर 17 के प्रांगण में एक और अभ्यासिका स्थापित की जा रही है। उस अध्ययन पर काम अंतिम चरण में है और छात्रों को जल्द ही इसका लाभ मिलेगा। जमीर लेंगरेकर ने बताया कि मनविसे जिला प्रमुख बंडू देशमुख ने समय-समय पर इस पर नजर रखी। यह दूसरा अध्ययन तत्कालीन मनपा आयुक्त अजीज शेख और अतिरिक्त आयुक्त जमीर लेंगरेकर की संकल्पना से साकार हो रहा है।

प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए कार्यशाला

मनपा सिंधु भवन में 5 फरवरी को प्रतियोगी परीक्षा मार्गदर्शन शिविर का आयोजन किया गया। इस बार विशेषज्ञ एमपीएससी, यूपीएससी आदि प्रतियोगी परीक्षाओं के संबंध में छात्रों को मार्गदर्शन देंगे।

सेंट्रल अस्पताल के डायलिसिस विभाग की हालत खराब

■ आरओ फिल्टर टैंक में खराबी

■ मरम्मत नहीं हुई तो बंद हो सकता है विभाग

उल्हासनगर. उल्हासनगर सेंट्रल अस्पताल के अति संवेदनशील विभाग डायलिसिस यूनिट में पानी के फिल्टर की खराबी के कारण मरीजों को कभी ठाणे के सिविल अस्पताल तो कभी अंबरनाथ के आनंद एमआईडीसी क्षेत्र के विजय अस्पताल में भेजा जा रहा है। इसलिए मरीजों और उनके परिजनों को यह कष्ट सहना पड़ता है। आशंका व्यक्त की जा रही है कि यदि आरओ फिल्टर टैंक की मरम्मत नहीं की गई तो यह विभाग कभी भी बंद हो सकता है।

उल्हासनगर सेंट्रल अस्पताल में डायलिसिस मशीनों में आरओ फ़िल्टर किए गए पानी का उपयोग किया जाता है। इस उद्देश्य से 2014-2015 में अस्पताल में एक टैंक स्थापित किया गया था। इसके माध्यम से आठ डायलिसिस मशीनों का उपयोग करके तीन शिफ्टों में प्रतिदिन 24 से 25 किडनी रोगियों का इलाज किया जाता है। अब तक, मशीन खराब होने के कारण मरीजों को दो बार ठाणे सिविल अस्पताल भेजा गया था, एक बार आनंद नगर एमआईडीसी, अंबरनाथ के विजय अस्पताल में और दूसरी बार अस्पताल में। इससे किडनी रोगियों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। मरीजों के रिश्तेदार समय, पैसे और आने-जाने की परेशानी के बारे में शिकायत कर रहे हैं।

सुविधाओं के लिए जिला कलेक्टर को पत्र

■ यदि समय रहते आरओ फिल्टर टैंक की मरम्मत हो गई होती तो किडनी रोगियों को इतनी परेशानी और कष्ट नहीं झेलना पड़ता। एक स्थानीय समाजसेवी ने इस बात पर खेद व्यक्त किया है कि अस्पताल प्रशासन और राज्य सरकार का स्वास्थ्य विभाग डायलिसिस मरीजों की बीमारियों के प्रति कितना जागरूक है, इसका अंदाजा आरओ फिल्टर टैंक की खराबी से लगाया जा सकता है।

■ इस संबंध में सेंट्रल अस्पताल के सिविल सर्जन डा. मनोहर बनसोडे ने बताया कि हमने वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा स्थानीय विधायक कुमार आयलानी को 1 जनवरी 2025 को लिखित रूप से सूचित किया था। 2 जनवरी को कुमार आयलानी ने जिला कलेक्टर अशोक शिंगारे को पत्र लिखकर उचित सुविधाएं उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है।

महिला से रेप के आरोप में कुली गिरफ्तार

मुंबई. बांद्रा टर्मिनस पर एक ट्रेन के अंदर एक महिला से रेप का मामला सामने आया है. कुली को रेप के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है. अधिकारियों ने बताया कि महिला एक ट्रेन से उतरकर प्लैटफॉर्म के दूसरी तरफ खड़ी खाली ट्रेन में चढ़ गई, जिसमें उस समय कोई यात्री नहीं था, और कुली ने ट्रेन के खाली कोच में उसे हवस का शिकार बनाया. घटना शनिवार रात की हुई थी. बाद में अधिकारियों ने CCTV फुटेज चेक किए, CCTV फुटेज से आरोपी की पहचान की गई और उसे गिरफ्तार किया गया.

जिसकी बॉडी है, उसके साथ अंबरनाथ है -विधायक किणीकर

■ अंबरनाथ में बॉडी बिल्डर स्पर्धा संपन्न

उल्हास विकास संवाददाता

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद, ठाणे जिला बॉडी बिल्डर एसोसिएशन एवं पूर्व उप नगराध्यक्ष अब्दुल शेख द्वारा अंबरनाथ के महात्मा गांधी विद्यालय मैदान में कै. रमेश गोसावी चषक का आयोजन रविवार को किया गया. इस प्रतियोगिता में ठाणे जिला, पालघर, और कोकण विभाग से 150 बॉडी बिल्डरों ने भाग लिया. अंबरनाथ नगरपरिषद ने इस स्पर्धा के लिये 9 लाख रुपए दिए हैं तो पारितोषिक के तीन लाख रुपये अब्दुल शेख ने अपनी जेब से खर्च किये. ऐसी जानकारी शेख ने दी है.

इस प्रतियोगिता में महिलाओं के लिये भी वुमन स्पोर्ट फिजिक स्पर्धा रखी गई थी. इस प्रतियोगिता को देखने के लिये बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे. कै. रमेश गोसावी पुराने शिवसैनिन थे. उनकी याद में ये स्पर्धा रखी गई थी. ऐसी जानकारी विधायक किणीकर ने देते हुए कहा कि अब्दुल शेख ही एक ऐसे व्यक्ति हैं जो पुराने शिवसैनिकों को याद रखते हैं. विधायक किणीकर ने आखिर में ना जाने किस पर ये टोला लगाया कि जिसकी बॉडी है, उसके साथ अबरनाथ है.

8 वजनी गट में प्रथम क्रमांक से छठे क्रमांक तक आने वालों को नकद पारितोषिक एवं प्रमाण पत्र दिए गए. खिताब विजेता को 31 हजार रुपए - उप विजेता को 15 हज़ार रुपये इनाम अतिथियों के हाथों दिए गए. शिवसेना के पूर्व नगरसेवक, कार्यकर्ता भी बड़ी सरया में उपस्थित रहे.

उल्हास नदी तल में सुरक्षात्मक दीवार का निर्माण

कर्जत. कर्जत शहर में उल्हास नदी के अंदर एक दीवार का निर्माण किया जा रहा है। यह निर्माण कार्य शहर के गणेश घाट के पास चल रहा है और स्थानीय लोग इसका विरोध कर रहे हैं। इस बीच उल्हास नदी बचाव मिशन ने इस दीवार का विरोध किया। सवाल यह पूछा जा रहा है कि क्या नगर पालिका ने नदी के किनारे निर्माण की अनुमति ली है।

नदी तल में बनी यह दीवार नदी में बहने वाले सीवेज को रोक पाएगी या नहीं, यह भी एक महत्वपूर्ण प्रश्न है और यही मुख्य मुद्दा है। ग्रामीण सवाल उठा रहे हैं कि क्या नदी को साफ रखना नगरपालिका का काम है या नदी पर इस तरह के निर्माण करना नगरपालिका का काम है। इस बात पर भी चर्चा हो रही है कि घाट बनाने से किसे फायदा होगा। आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है कि गांव में उद्यान बनाने, मौजूदा उद्यानों को बनाए रखने तथा नहर के किनारे और अधिक पेड़ लगाने के बजाय कंक्रीट का काम किया जा रहा है। नागरिकों का कहना है कि यह सीमेंट गर्मियों में नदी क्षेत्र को ठंडा रखने के बजाय और भी अधिक गर्म कर देगा।

कर्जत शहर विकास के उस चरण में है जहां यह एक खूबसूरत गांव से झुग्गी बस्ती बनने की यात्रा पर है। गांव का शहर बनना अपरिहार्य है; लेकिन विशेषज्ञ बेकार और अनावश्यक सीमेंटीकरण पर अंकुश लगाने की आवश्यकता पर जोर दे रहे हैं।

प्रजासत्ताक दिन पर बाल उद्यान का उद्घाटन

■ सैकडो बच्चों को फायदा मिलेगा - सुनिल सोनी

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम के हाऊसिंग बोर्ड परिसर में गत कई वर्षों से बच्चों को खेलने के लिये बाल उद्यान नहीं था. इस कमी को यहां के पूर्व नगरसेवक सुजित सोनी ने पूरा कर दिया है. 26 जनवरी-प्रजासत्ताक दिवस पर एक बाल उद्यान और ज्येष्ठ नागरिकों के बैठने के लिये सुनिल सोनी से अपने कार्यालय के समक्ष एक शानदार बाल उद्यान का निर्माण किया है. परिसर के ही एक छोटे बच्चे के हाथों रिबन काट कर इस उद्यान का उद्घाटन हुआ.जैसे ही बाल उद्यान का गेट खुला सैकडो बच्चे इसमें खेलने लगे. सोनी ने हमें बताया कि विधायक डॉ. बालाजी किणीकर के सुझाव पर उन्होंने यहां पर बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों के लिये ये उद्यान बनाया. इस उद्यान से हाऊसिंग बोर्ड, ऊलन चाल, शिवनगर के बच्चों को लाभ मिलेगा. उद्यान में झूले, घसरगुंडी, एवं खेल कूद के अनेक साधन लगाये गये हैं. प्रजासत्ताक दिन पर बच्चे भी हाथ में तिरंगा लिये, तिरंगे कलर के कपडे पहने हुए थे जो अपने पालक के साथ आकर सुबह से ही उद्यान के खुलेने की प्रतिक्षा कर रहे थे. बाल उद्यान फलक का भी सुजित सोनी ने उद्घाटन किया. उस समय अशोक माफदे, रमाकांत गावडे, विश्वनाथ मोरे, मिसेस सोनी, गजानन बोबडे अदि उपस्थित थे.

टिटवाला-मांडा में अवैध चॉलों के खिलाफ तोड़फोड़ अभियान

कल्याण: कल्याण-डोंबिवली मनपा के वार्ड ए के नवनियुक्त सहायक आयुक्त प्रमोद पाटिल ने कार्यभार संभालते ही अवैध निर्माणों के गढ़ के रूप में मशहूर टिटवाला-मांडा क्षेत्र में अवैध निर्माणों के खिलाफ जोरदार अभियान छेड़ दिया है। तोड़फोड़ टीम ने टिटवाला गणेशवाड़ी क्षेत्र में 15 से अधिक चॉलों के निर्माण को ध्वस्त कर दिया।

आयुक्त डॉ. इंदुरानी जाखड़ को टिटवाला-मांडा, बाल्याणी, उमरबनी, अंबिवली, बाल्याणी टेकड़ी क्षेत्रों में चल रहे असंख्य अवैध निर्माण कार्यों के बारे में शिकायतें मिल रही हैं। जागरूक नागरिक इन अवैध झुग्गियों के खिलाफ कार्रवाई करने पर जोर दे रहे थे, क्योंकि इन झुग्गियों में असामाजिक तत्वों और बांग्लादेशी घुसपैठियों के रहने की संभावना थी। कमिश्नर डॉ. जाखड़ ने तत्कालीन सहायक आयुक्त संदीप रोकड़े को यह आदेश दिया था। अतिक्रमण नियंत्रण उपायुक्त अवधूत तावड़े ने भी रोकड़े को बार-बार अवैध निर्माण के खिलाफ आक्रामक कार्रवाई करने की सलाह दी थी।

चूंकि सहायक आयुक्त आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने में अनिच्छुक हैं, इसलिए आयुक्त डॉ. जाखड़ सहायक आयुक्त रोकड़े के काम की धीमी गति से नाखुश थे। अंततः आयुक्त डॉ. इंदुरानी जाखड़ ने जल्दबाजी में रोकड़े को वार्ड ए के सहायक आयुक्त पद से हटाकर वहां प्रमोद पाटिल को सहायक आयुक्त नियुक्त कर दिया। पदभार संभालने के पहले ही दिन सहायक आयुक्त पाटिल ने जेसीबी और श्रमिकों की मदद से मांडा क्षेत्र के टिटवाला के गणेशवाड़ी क्षेत्र में 15 से अधिक अवैध चालों के निर्माण के लिए बनाए गए पत्थर के खंभों को ध्वस्त कर दिया।

पिछले तीन वर्षों में टिटवाला क्षेत्र में बनी एक भी अवैध इमारत के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई है। सहायक आयुक्त पाटिल एक मेहनती अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं। नागरिकों का यह भी मानना है कि वे टिटवाला क्षेत्र में अवैध मिलों को बिना किसी बाधा के ध्वस्त कर देंगे। पाटिल ने पहले ही दिन अवैध धान के खेतों को नष्ट करके अपनी क्षमता का परिचय दिया है। सहायक आयुक्त पाटिल के सामने अवैध निर्माणों के खिलाफ कार्रवाई करने और संपत्ति कर वसूलने की चुनौती होगी।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

मैला उठाने वालों को नहीं मिलती सुविधा

समाज के कुछ कमजोर तबकों के लोगों को मैला उठाने या सीवर साफ करने के काम से मुक्ति नहीं मिल सकी है, तो यह हर तरह से मानवीय गरिमा के खिलाफ है। यह दुखद है कि देश के कुछ हिस्से में आज भी परंपरागत तरीके से ये काम कराए जा रहे हैं। इसे रोकने के लिए संसद काफी पहले कानून बना चुका है। मगर वर्ष 2018 में हुए सर्वेक्षण में पाया गया था कि अट्ठावन हजार से अधिक लोग इस कार्य में संलग्न हैं। यह अमानवीय ही है कि ये लोग शुष्क शौचालयों की सफाई सामान्य तरीके से या हाथ से करने पर मजबूर हैं।

सीवर में उतर कर परंपरागत तरीके सफाई करने वाले कर्मियों की दम घुटने से मौत की खबरें अक्सर सामने आती रहती हैं। इनमें ज्यादातर वे लोग होते हैं, जिनके पास बचाव के साधन नहीं होते। इस लिहाज से देखें तो दिल्ली सहित छह महानगरों में हाथ से सीवर की सफाई या मैला उठाने पर पूरी तरह रोक लगाने का शीर्ष न्यायालय का निर्णय बेहद अहम और जरूरी है। यह निराशाजनक है कि तमाम पाबंदियों और स्वच्छता अभियानों के बावजूद देश की तस्वीर नहीं बदली है।

अभी भी परंपरागत तरीकों से कराई जाती है सफाई

यह हाल तब है, जब पिछले वर्ष सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र और सभी राज्यों को सुनिश्चित करने को कहा था कि हाथ से मैला साफ करने का काम पूरी तरह समाप्त हो। इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि कानूनी स्थिति के समांतर हकीकत यह है कि आज भी छोटे या बड़े शहरों में सीवर की सफाई कई बार परंपरागत तरीकों से कराई जाती है। सीवर में उतर कर सफाई करने वाले लोगों को शायद ही कभी सुरक्षा उपायों से लैस किया जाता है।

नतीजतन, सीवर में उतर कर सफाई करने वाले मजदूरों की दम घुट कर मौत की खबरें आज भी आती रहती है। हैरानी की बात यह है कि जिस दौर में बड़े और भारी कामों के लिए अत्याधुनिक तकनीक से तैयार मशीनों का सहारा लिया जाने लगा है, वहीं सीवर सफाई जैसे काम आज भी कई जगह पर हाथ से कराए जाते हैं। विकल्प के अभाव में इस काम को करने वाले लोगों के प्रति सामाजिक व्यवहार कोई छिपा तथ्य नहीं है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट की सख्ती एक जरूरी हस्तक्षेप है। मगर यह देखने की बात होगी कि जमीन पर इसका अमल किस हद तक होता है।

जारी रहे सुधारों का सिलसिला, जगी नई उम्मीदें

यह पिछली सदी के अंतिम दौर की बात है जब जर्मनी को 'सिक मैन आफ यूरोप' कहा जाने लगा था। जर्मनी जैसा देश ऐसे ही यूरोप की कमजोर कड़ी नहीं बन गया था। अर्थव्यवस्था में ठहराव, ऊंची बेरोजगारी और अड़ियल श्रम कानूनों ने वृद्धि की राह रोक दी थी। ऐसी स्थिति से निपटने के लिए तत्कालीन चांसलर गेरहार्ड श्रोएडर ने हार्ट्ज सुधारों का सूत्रपात किया। इनके जरिये जिन श्रम सुधारों और कल्याणकारी योजनाओं के स्वरूप को सुधारा गया, उन्होंने जर्मन अर्थव्यवस्था का कायाकल्प कर दिया। जैसा कि प्रत्येक सुधारों के साथ होता है, आरंभ में उनका भी विरोध हुआ। हालांकि इन सुधारों ने जर्मन श्रम बाजार की क्षमताओं को बेहतर बनाया। रोजगार के अवसर बढ़ाए और जर्मनी को यूरोप की आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। इस प्रसंग का यही सार है कि जब साहसिक सुधारों को सही तरह से लागू किया जाता है तो उसके दूरगामी एवं दीर्घकालिक आर्थिक लाभ मिलते हैं। केंद्र सरकार के बजट में भी कमोबेश यही दृष्टिकोण अपनाया गया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को जो बजट प्रस्तुत किया, वह क्षमताओं और प्रतिस्पर्धा को बढ़ाने के साथ ही राजकोषीय अनुशासन के प्रति समर्पित है। बजट में कराधान, ऊर्जा क्षेत्र, शहरी विकास, खनन, वित्तीय क्षेत्र और नियामकीय ढांचे से जुड़े जिन सुधारों को आगे बढ़ाने की बात कही गई है, उनसे नई उम्मीदें जगती हैं। इन सुधारों का लक्ष्य आर्थिक वृद्धि की राह में अवरोधों को दूर

कर क्षमताओं को बढ़ाना है। इससे निवेश आकर्षित होगा। शासन संचालन का ढांचा सुसंगत बनेगा। परिणामस्वरूप तेज आर्थिक वृद्धि के अनुकूल परिस्थितियां आकार लेंगी। टैक्सेशन यानी कराधान इन सुधारों के केंद्र में है।

पिछले कुछ वर्षों से कर अनुपालन के मोर्चे पर आसानी और सहजता को नए क्षितिज पर ले जाने के लिए सरकार तत्पर दिखती है। इसी कड़ी में जल्द ही न्यू टैक्स बिल पेश किए जाने की तैयारी है। दशकों से ऐसे सुधार की प्रतीक्षा रही है। इसका उद्देश्य करों से जुड़े विवादों को घटाना है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड फिलहाल कर विवाद से जुड़े 60,000 मामलों में उलझा हुआ है। ऐसे में कर अनुपालन व्यवस्था को और सुगम बनाना कई स्तरों पर लाभदायक होगा। इससे करदाता और प्राधिकारी संस्थाओं दोनों के लिए आसानी होगी। अप्रत्यक्ष करों में जीएसटी के स्तर पर भी विविधीकृत दरें उसे उलझाऊ बनाती हैं, लेकिन उसे सुलझाने के लिए जीएसटी परिषद में राज्यों को भी साधना होगा। कर ढांचे को सुसंगत बनाने से न केवल नागरिकों एवं उद्यमों का भरोसा बढ़ेगा, बल्कि आर्थिक वृद्धि को भी तेजी के पंख लगेंगे।

बीमा उद्योग में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश यानी एफडीआइ की सीमा को 74 प्रतिशत से बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने का प्रावधान है, लेकिन यह केवल उन्हीं कंपनियों के लिए अनुमन्य होगा जो एकत्रित प्रीमियम की पूरी राशि को भारत में ही पुन: निवेश करेंगी। इससे बीमा क्षेत्र में विदेशी निवेश बढ़ाने के साथ ही बीमा की पैठ भी गहरी होगी। हालांकि इसकी सफलता इसी बात पर निर्भर होगी कि इस पहल को किस प्रकार अमल में लाया जाता है। इसी तरह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा ग्रामीण क्रेडिट स्कोर फ्रेमवर्क से स्वयं सहायता समूहों के लिए वित्तीय समावेशन का दायरा बढ़ेगा। वित्तीय संसाधनों तक इन समूहों की पहुंच बढ़ेगी।

सरकार की मंशा है कि निजी क्षेत्र अर्थव्यवस्था की गाड़ी को आगे बढ़ाने की कमान संभाले तो उसकी राह में संभावित बाधाओं को दूर करने के प्रयत्नों की प्रतिबद्धता भी दिखाई है। बजट में गैर-वित्तीय क्षेत्रों के नियमन, प्रमाणन और लाइसेंस की समीक्षा के लिए एक उच्चस्तरीय समिति के गठन का प्रावधान है, जो साल भर के भीतर मामलों को निपटाएगी। विश्वास आधारित यह पहल अनावश्यक अनुपालन बोझ घटाएगी। राज्यों को भी इस मामले में अंशभागी बनाने और प्रोत्साहन के लिए न्यू इन्वेस्टमेंट फ्रेंडलीनेस इंडेक्स बनाया जाएगा। इससे सहकारी संघवाद को भी बढ़ावा मिलेगा। ऊर्जा, शहरी विकास और खनन क्षेत्र में भी बजट ऐसे सुधारों को लक्षित करता है जो दीर्घकालिक आर्थिक वृद्धि की निरंतरता को बनाए रखने में सहायक बनेंगे।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज
रोज़ाना ध्यानाभ्यास में समय बिताने से हम अपनी आत्मा की शक्ति को खोज लेंगे, तथा अपने जीवन को विवेक, अमरता, प्रेम, निडरता, संबद्धता, और आनंद से भरपूर कर लेंगे।
- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज
स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२
देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

मेडिकल क्षेत्र, दवाओं में मिलेगी राहत

इस बार के बजट से जिस तरह की उम्मीदें जताई जा रही थीं, उसके समांतर कई स्तर पर आम लोगों के लिए राहत की घोषणाएं हुईं। हालांकि मुख्य रूप से इस बजट को मध्यवर्ग का खयाल रखने और इसी तबके के लिहाज से ज्यादा अनुकूल साबित होने के तौर पर देखा जाएगा। कुछ राज्यों में भावी विधानसभा चुनावों की आहट और उसका असर कई घोषणाओं पर साफ दिखता है और इसी वजह से विपक्ष ने इस पर चुनावी बजट होने का आरोप लगाया है। वहीं इसे सुधारवादी बजट भी बताया जा रहा है।

सबसे ज्यादा सुर्खियां बजट में किए गए इस प्रावधान को मिली हैं कि अब जिन लोगों की आय सालाना बारह लाख रुपए तक है, उन्हें अब कोई आयकर नहीं देना पड़ेगा। मगर यह देखने की बात होगी कि कर-निर्धारण के लिए जो नए पैमाने तय किए जाएंगे, उसमें राहत के दायरे में कितने लोग आ पाएंगे। गौरतलब है कि इससे पहले सात लाख रुपए तक की वार्षिक आमदनी वालों के लिए आयकर से छूट की व्यवस्था थी।

लंबे समय बाद मध्यवर्ग को राहत

माना जा रहा है कि बहुत लंबे समय के बाद मध्यवर्ग को इतनी बड़ी राहत दी गई है। इसके अलावा, टीडीएस की सीमा दस लाख रुपए और आयकर रिटर्न भरने में चार वर्ष तक का समय जैसे कुछ अन्य उपायों से उम्मीद जगी है कि ये भारतीय बाजारों में छाई सुस्ती को दूर करने में मददगार साबित होंगे। मोबाइल सहित कुछ इलेक्ट्रोनिक सामान, इलेक्ट्रिक कारें और टीवी आदि का सस्ता होना मध्य वर्ग को राहत देने में सहायक तत्त्व का काम कर सकता है। दरअसल, पिछले कुछ समय से लगातार बढ़ती महंगाई के बीच आर्थिक मोर्चे पर आय और खर्च में

संतुलन मुश्किल हो रहा था। वहीं आर्थिक वृद्धि में गिरावट चिंता की एक बड़ी वजह बन रही थी।

अब अगर बचत की वजह से क्रयशक्ति में इजाफा होता है तो इसका सीधा असर लोगों की खरीदारी और बाजार पर पड़ेगा। किसानों के लिए क्रेडिट कार्ड पर मिलने वाले ऋण, दलहन-तिलहन और खाद के उत्पादन, मखाना बोर्ड आदि के संबंध की गई घोषणाओं को किसानों के लिए फायदेमंद माना जा रहा है। मगर इसका आकलन इस पर निर्भर होगा कि इनसे फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य और कर्जमाफी जैसी किसानों की कुछ मुख्य मांगें और उनकी समस्याओं का निपटारा कैसे संभव होगा। वहीं मनरेगा के बजट में कोई बढ़ोतरी नहीं करने को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के प्रति उदासीनता के तौर पर देखा जा रहा है।

पहली बार उद्यमी बनने वाली महिलाओं के अलावा अनुसूचित जाति-जनजाति की महिलाओं के लिए भी विशेष ऋण योजना की घोषणा हुई है। जीवन रक्षक दवाओं से कस्टम ड्यूटी हटाने, मेडिकल सीटें बढ़ाने और जिला अस्पतालों में कैंसर केंद्र खोलने की योजनाओं से स्वास्थ्य क्षेत्र में सुधार की उम्मीद की जा रही है। इसी तरह, शिक्षा क्षेत्र में पिछले साल के मुकाबले 6.65 की बढ़ोतरी भी अहम है। मगर रेलवे के लिए कोई बड़ी घोषणा नहीं हुई।

यह देखने की बात होगी कि इन सब उपायों का असर रोजगार क्षेत्र पर क्या पड़ता है, क्योंकि बीते कुछ सालों में युवा आबादी के सामने बेरोजगारी की बढ़ती समस्या एक बड़ी चुनौती बनती गई है। बहरहाल, बजट में बिहार के प्रति जिस तरह की उदारता दिखाई गई है, उससे विपक्ष को यह कहने का मौका मिला है कि अगर यह चुनावी बजट नहीं है, तो अन्य राज्यों के लिए भी समान नजरिया क्यों नहीं अपनाया गया। हालांकि सरकार स्वाभाविक रूप से इस बजट को सभी के लिए उम्मीदों पर खरा उतरने के रूप में ही पेश कर रही है।

सिंधु घाटी लिपि का रहस्य सुलझाने पर मिलेगा 8.7 करोड़ का इनाम!

सिंधु घाटी सभ्यता की लिपि आज भी एक बड़ा रहस्य बनी हुई है. आपको जानकर हैरानी होगी कि इस

जरा हट के

लिपि को आज से 5000 साल पहले लिखा गया था, लेकिन आज तक कोई भी यह नहीं समझ पाया कि इसका मतलब क्या है. यह लिपि ऐसे चिन्हों से बनी हुई है, जिनका इस्तेमाल सिंधु घाटी के लोग अपने व्यापार और धार्मिक कामों में करते थे. लेकिन इन चिन्हों को समझने के लिए आज भी दुनिया भर के वैज्ञानिक और पुरातत्वविद काम कर रहे हैं. अब तो तमिलनाडु सरकार ने एक खास घोषणा भी की है—जो इस लिपि को समझेगा, उसे 1 मिलियन डॉलर का इनाम मिलेगा!

सिंधु घाटी सभ्यता और लिपि का इतिहास

सिंधु घाटी सभ्यता, जो लगभग 3000 से 1500 ईसा पूर्व के बीच भारत के पश्चिमी भाग में फैली हुई थी, दुनिया की

सबसे पुरानी सभ्यताओं में से एक मानी जाती है. इसे पहली बार 1924 में ब्रिटिश पुरातत्वविद सर जॉन हर्बर्ट मार्शल ने दुनिया के सामने लाया. हालांकि, पहले यह माना जाता था कि इस सभ्यता की लिपि संस्कृत से जुड़ी हुई होगी, लेकिन जॉन हर्बर्ट मार्शल के शोध ने यह साबित कर दिया कि यह सभ्यता आर्यों से पहले की थी और उस समय द्रविड़ भाषा का प्रचलन था.

द्रविड़ भाषाओं का सिंधु घाटी लिपि से कनेक्शन?

सिंधु घाटी सभ्यता के समय की लिपि और आज की द्रविड़ भाषाओं के बीच एक बड़ा कनेक्शन पाया गया है. जब वैज्ञानिकों ने सिंधु घाटी की मुहरों पर लिखे गए चिन्हों का अध्ययन किया, तो उन्हें तमिलनाडु में मिले पुराने चिन्हों से 60 प्रतिशत तक समानता दिखाई दी. इसका मतलब है कि दोनों में कुछ समानता हो सकती है, लेकिन फिर भी पूरी तरह से यह साबित नहीं हो सका कि यह लिपि किस भाषा से जुड़ी हुई थी. इतिहास और पुरातत्व के विशेषज्ञ मानते हैं कि सिंधु घाटी लिपि और द्रविड़ लिपि के बीच कुछ संबंध हो सकता है. विलुप्पुरम जिले के कीलवलाई क्षेत्र में मिले शिलालेखों ने इस सिद्धांत को और मजबूत किया है. इन शिलालेखों में सिंधु घाटी लिपि और द्रविड़ लिपि की समानता साफ नजर आती है.

फ्लास्क से आने लगी बदबू?

- **बन सकता है बीमारी की वजह**
- **जानें थर्मस क्लीन करने का परफेक्ट तरीका**

थर्मस फ्लास्क का इस्तेमाल हर मौसम में किया जाता है. बच्चों को स्कूल भेजना हो या हमें ऑफिस जाना हो, हम गर्म या ठंडे पानी को स्टोर करने के लिए इसका रोज इस्तेमाल करते हैं. लेकिन यह भूल जाते हैं कि इनकी रेग्युलर सफाई कितनी जरूरी है. जब इनमें से बदबू आने लगती है और हमें पीने में परेशानी होती है तो तब हमें समझ नहीं आता कि इसे किस तरह डीप क्लीन किया जाए. साबुन पानी से साफ करने पर भी फ्लास्क के निचले सतह पर काले फंगस दिखते रहते हैं. ऐसे में क्या कोई ऐसा तरकीब है, जिसकी मदद से घर पर आसानी से इन्हें बैक्टीरिया फ्री बनाया जा सके! जी हां, अगर सही तरीके से इसकी सफाई करना है तो आप यहां बताए गए तरीके को आजमाकर अपने फ्लास्क को फ्रेश और क्लीन बना सकते हैं. आइए जानते हैं थर्मस या फ्लास्क साफ करने का आसान और सबसे अच्छा तरीका क्या हो सकता है.

थर्मस फ्लास्क को साफ करने का आसान तरीका

- सबसे पहले थर्मस फ्लास्क को आधे गर्म पानी से भरें और उसमें एक चम्मच बेकिंग सोडा डालें. फिर उसमें एक चम्मच सिरका डालें. सिरका और बेकिंग सोडा का मिश्रण थर्मस के अंदर जमा बैक्टीरिया और फंगस को खत्म करने में मदद करेगा. इस मिश्रण को फ्लास्क में कुछ मिनट के लिए छोड़ दें और फिर उसे अच्छे से हिला कर साफ कर लें.
- अब फ्लास्क को गर्म पानी और एक हलके से डिश साबुन से धोएं फ्लास्क के अंदर और ढक्कन को अच्छे से धोकर, फिर साफ पानी से अच्छी तरह से खंगाल लें.
- अगर फिर भी बदबू बनी रहती है तो आप नींबू का इस्तेमाल कर सकते हैं. एक नींबू का रस फ्लास्क में डालें और उसे गर्म पानी से भरें. यह न केवल बदबू को खत्म करेगा, बल्कि फ्लास्क को ताजगी भी देगा.
- ध्यान रखें कि जब भी आप थर्मस फ्लास्क का इस्तेमाल करें, उसे उपयोग के तुरंत बाद धो लें. इससे पानी पूरी रह निकाल दें. इससे बदबू बनने का खतरा कम होगा.
- फ्लास्क को धोने के बाद अच्छे से सुखा लें. इसे खुला रखकर सूखने दें, जिससे इसमें किसी भी प्रकार का नमी न रहे. नमी बैक्टीरिया बढ़ाती है, जिससे बदबू और रोग फैलने का खतरा रहता है.

क्या गुड़ वाली चाय पी सकते हैं शुगर के मरीज?

- **जानें क्या है डॉक्टर की सलाह**

खराब खानपान कहें या बिगड़ता हुआ ओवरऑल लाइफस्टाइल; आमतौर पर इस एक वजह से ढेर सारी बीमारियां आज बहुत कॉमन हो गई हैं। इन्हीं में से एक है डायबिटीज यानी शुगर की बीमारी। एक बार डायबिटीज हो जाए तो इसे मैनेज करना बहुत ही मुश्किल भरा होता है। खासतौर से खानपान में हुई जरा सी चूक भी ब्लड शुगर लेवल को तेजी से बढ़ाने का काम कर सकती है। अमूमन ऐसे में लोग चीनी वाली चाय पीने से परहेज करते हैं लेकिन कई लोगों का मानना होता है कि शुगर में गुड़ वाली चाय पीने से कोई नुकसान नहीं होता है। इसलिए सर्दियों के मौसम में खासतौर से शुगर के मरीज भी जमकर गुड़ वाली चाय पी लेते हैं। लेकिन क्या ये वाकई उनके लिए ठीक है भी या नहीं, आइए इस बारे में जानते हैं।

आमतौर पर लोग गुड़ को चीनी का हेल्दी विकल्प मानकर इस्तेमाल करते हैं। यह कई मायनों में चीनी से बेहतर भी है क्योंकि इसमें ढेरों पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। हालांकि लोगों के बीच बनी यह धारणा कि शुगर में गुड़ की चाय पीने से कोई नुकसान नहीं होता, यह ठीक नहीं है। दरअसल गुड़ की तासीर गर्म होती है, ऐसे में ये सर्दियों में शरीर को गर्माहट देने का काम जरूर कर सकता है। लेकिन शुगर के मरीजों को गुड़ की चाय भी लिमिट में ही पीनी चाहिए। अगर आपका शुगर लेवल

काफी ज्यादा बढ़ा हुआ रहता है, तो ऐसे में आपको गुड़ वाली चाय भी अवॉइड करनी चाहिए या अपने डॉक्टर की सलाह पर ही पीनी चाहिए।

- **इन चीजों की चाय**

गुड़ की चाय पीने से आपके शुगर लेवल बढ़ने का खतरा हो सकता है। इसलिए बेहतर है कि आप हर्बल चाय का विकल्प चुनें। आप ग्रीन टी पी सकते हैं। इसके अलावा घर पर ही काली मिर्च, दालचीनी, इलायची जैसी मसालों से ब्लैक टी बनाकर पीना भी अच्छा ऑप्शन है। तुलसी, अदरक और नींबू से बनी चाय भी आपके लिए फायदेमंद हो सकती है। हालांकि एक्सपर्ट्स की मानें तो अगर आप दिन में एक कप चाय ही पीते हैं तो आराम से गुड़ या चीनी वाली मीठी चाय पी जा सकती है। जिन लोगों को ज्यादा चाय पीने की आदत है, उन्हें मीठे के हेल्दी विकल्प जैसे स्टीविया, शुगर फ्री आदि इस्तेमाल करने की जरूरत है।

चुकंदर ओट्स चीला

खाना-खजाना

चुकंदर खाने से बच्चे और बड़े दोनों ही भागते हैं। अगर आप आयरन और विटामिन से भरपूर चुकंदर को खिलाना चाहती हैं तो बना लें चीला। ओट्स के साथ मिलाकर सुबह ब्रेकफास्ट में फटाफट बिना समय गंवाए चीला बनाकर रेडी किया जा सकता है। बस नोट कर लें आसान सी रेसिपी।

सामग्री

- एक कप इंस्टेंट ओट्स
- एक कप सूजी
- एक चुकंदर
- दो हरी मिर्च
- अदरक का टुकड़ा
- एक चम्मच जीरा
- पानी
- नमक स्वादानुसार
- तेल

बनाने की रेसिपी

सबसे पहले चुकंदर को छीलकर धो लें और उबाल लें।

अब पैन में ओट्स को ड्राई रोस्ट करें जब तक कि ये गोल्डन ब्राउन हो जाए।

फिर इसे ठंडा कर लें और सूजी के साथ मिक्सर ग्राइंडर में डालकर महीन पाउडर बना लें।

अब ग्राइंडर में उबले हुए चुकंदर, हरी मिर्च, अदरक, जीरा और पानी डालकर पेस्ट तैयार कर लें।

किसी बाउल में ओट्स पाउडर लेकर उसमे चुकंदर का पेस्ट डालें और नमक, पानी डालकर पेस्ट तैयार कर लें।

पांच मिनट के लिए रेस्ट होने रख दें।

आयरन तवा गर्म करें और बैटर को फैलाकर चीला तैयार करें।

आज का राशिफल

मेष : धन प्राप्ति सुगम होगी। पराक्रम बढ़ेगा। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं। कामकाज में आशानुरूप स्थिति बनेगी। संतान के व्यवहार पर नजर रखें। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। थकान रहेगी।

वृषभ : आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से लाभ होगा। आपसी विचार-विमर्श लाभप्रद रहेगा। बुरी खबर मिल सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन : धनलाभ होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। वाहन सुख मिलेगा। संपत्ति के लेन-देन में सावधानी बरतें। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा। मेहनत का फल मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। यात्रा सफल रहेगी। व्यापार-व्यवसाय अच्छा चलेगा। संतान पर ध्यान दें।

कर्क : पुराने मित्र-संबंधी मिलेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कार्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा। विवादों से दूर रहना चाहिए। उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बढ़ेगा। आर्थिक तंगी रहेगी। पिछले कार्यों को टालें। हानि हो सकती है।

सिंह : अप्रत्याशित लाभ होगा। राजकीय सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। जोखिम बिलकुल न लें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। व्यापार व नौकरी में हितकारकों की पूर्ण कृपा रहेगी। गृह उपयोगी वस्तुएं क्रय करेंगे। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें।

कन्या : पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा। रुका पैसा मिलेगा। शत्रु आपकी छवि को धूमिल करने का प्रयास करेंगे। अतः सावधान रहें। फालतू खर्च होगा। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। कुसंगति से बचें। दूसरों पर भरोसा न करें। धैर्य रखें। व्यापार में सफलता मिलेगी।

तुला : दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। पूंजी निवेश बढ़ेगा। साहित्यिक रुचि बढ़ेगी। आर्थिक योग शुभ हैं। यात्रा से व्यापारिक लाभ हो सकता है। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। सुसंगति से लाभ होगा।

वृश्चिक : नए अनुबंध होंगे। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। जल्दबाजी व भागदौड़ से काम करने की प्रवृत्ति पर रोक लगाएँ। अच्छे मित्र से भेंट होगी। पराक्रम की वृद्धि होगी। समाज-परिवार में आदर मिलेगा। योजना फलीभूत होगी।

धनु : कार्यसिद्धि होगी। आय-व्यय में संतुलन रहेगा। क्रोध पर संयम आवश्यक है। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। धर्म में रुचि बढ़ेगी। नई योजना से लाभ होगा। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा। कोर्ट व कचहरी के काम बनेंगे।

मकर : संतान की ओर से अच्छे समाचार मिलेंगे। दूसरों के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करें। परिवार की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार के विस्तार हेतु किए गए प्रयास सफल होंगे।

कुंभ : लाभ होगा। पिछले कार्यों को टालना चाहिए क्योंकि उसमें असफलता का योग है। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। राजकीय बाधा दूर होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। शत्रुभय रहेगा। अनावश्यक विवाद होगा। व्यावसायिक योजनाएँ क्रियान्वित नहीं हो पाएँगी।

मीन : प्रसन्नता रहेगी। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। संतान के रोजगार की समस्या का समाधान संभव है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। कश्मकश दूर होगी। स्वजनों से भेंट होगी। खर्चों में वृद्धि से चिंता होगी।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

पुराना तौलिया धोने के कारगर उपाय

- **रूई जैसा होगा मुलायम, दाग-धब्बे भी होंगे दूर**

क्या आपका टॉवल धोने के बाद सख्त और रूखा हो जाता है? दरअसल, हम कितना भी महंगा तौलिया खरीद लें, समय के साथ इसकी सॉफ्टनेस कम होने लगती है, जिससे यह खुरदरा और रफ होता जाता है. लेकिन परेशान होने की जरूरत नहीं, आप अगर एक सिंपल से घरेलू ट्रिक को आजमाएं तो इसकी मदद से पुराने से पुराने तौलिये को भी फिर से नया जैसा क्लीन और सॉफ्ट बनाया जा सकता है. इसके लिए आपको किसी महंगे प्रोडक्ट की जरूरत नहीं, बल्कि आपकी रसोई में मौजूद चीजें ही असर दिखाएंगी. तो चलिए

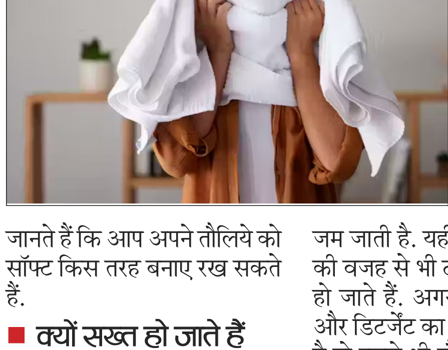

जानते हैं कि आप अपने तौलिये को सॉफ्ट किस तरह बनाए रख सकते हैं.

- **क्यों सख्त हो जाते हैं टॉवल?**

टॉवल का नियमित इस्तेमाल में लाने और बार-बार धोने से इसकी सॉफ्टनेस खोती जाती है. इसके पीछे कई कारण हो सकते है. मसलन, डिटर्जेंट और फैब्रिक सॉफ्टनर का अगर आप अधिक उपयोग करते हैं तो इनसे टॉवल पर केमिकल लेयर जम जाती है. यही नहीं, हार्ड वॉटर की वजह से भी टॉवल के रेशे कड़े हो जाते हैं. अगर टॉवल में गंदगी और डिटर्जेंट का अवशेष रह जाता है तो इससे भी तौलिया खुरदरा हो सकता है.

- **करें ये उपाय**

टॉवल को फिर से मुलायम और फूला-फूला बनाने के लिए आप इस आसान तरीके को अपना सकते हैं. आप ½ कप बेकिंग सोडा और 1 कप सफेद विनेगर लें और इसे गरम पानी में अच्छी तरह घोल लें. अब किसी बड़े टब या बाल्टी में पानी भरें और उसमें ये घोल पानी के साथ मिला कर इसमें तौलिए को 15 मिनट तक भिगोकर रख दें. फिर इसमें डिटर्जेंट डालें और 10 मिनट के लिए छोड़ दें. अब आप इसे या तो हाथ से रगड़कर धो लें या वॉशिंग मशीन में इसे डालकर धो लें. टॉवल को तेज धूप में सुखाएं, जिससे उसकी ताजगी बनी रहे. इस तरह आपके तौलिये का दाग धब्बा भी गायब हो जाएगा और सूखने के बाद ये मुलायम रहेंगे.

इन बातों का रखें ख्याल...

- टॉवल साफ करते वक्त ज्यादा डिटर्जेंट या फैब्रिक सॉफ्टनर का इस्तेमाल न करे.
- 2-3 महीने में एक बार बेकिंग सोडा और विनेगर से टॉवल को डुबोकर साफ करें.
- टॉवल को तेज धूप में सुखाने से बैक्टीरिया खत्म होते हैं और उसकी लाइफ बढ़ती है.

- **बेकिंग सोडा और विनेगर के फायदे**

दरअसल बेकिंग सोडा और विनेगर टॉवल के रेशों में जमा डिटर्जेंट बिल्डअप को पूरी तरह साफ करता है, नमी से टॉवल में आने वाली बदबू को खत्म करता है, टॉवल को फिर से मुलायम बनाता है. यह रेशों को रीस्टोर कर नरम बनाता है.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

कलयुगी बाप ने ही लूटी बेटी की इज्जत, बंद कमरे में किया रेप, मां ने दर्ज कराया केस

देवरिया. देवरिया से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां एक पिता ने अपनी ही बेटी के साथ रेप किया। रविवार को मां ने पुलिस को तहरीर देते हुए घटना की जानकारी दी। उधर, पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी पिता को हिरासत में ले लिया। साथ ही मामले की जांच पड़ताल में जुट गई। ये घटना भाटपाररानी थाना क्षेत्र का है। पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने रविवार को थाने में तहरीर देकर बताया है कि उनकी 13 साल की बेटी जिसके साथ उसके सगे पिता ने दुष्कर्म की वारदात की है। घटना ढाई महीने पहले की है। रविवार को विवाद होने के बाद इसकी शिकायत महिला ने पुलिस से की। उधर, सूचना मिलने पर पुलिस महकमें में भी हड़कंप मच गया। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध दुष्कर्म का केस दर्ज कर उसे हिरासत में ले लिया। साथ ही मामले जांच पड़ताल में जुट गई।

UP के लड़के को दिल दे बैठी अमेरिकन फैशन डिजाइनर, 4 साल मोहब्बत, अब बने पति-पत्नी

कुशीनगर. कुशीनगर जिले से अनोखा मामला सामने आया है। यहां के एक लड़के को ऑनलाइन गेम खेलते-खेलते अमेरिका की फैशन डिजाइनर से दोस्ती हो गई। धीरे-धीरे ये दोस्ती दोनों के बीच कब मोहब्बत में बदल गई, इसके बारे में पता ही नहीं चला। अमेरिका की युवती यूपी के युवक से बातचीत करने लगी। दोनों के बीच करीब चार साल तक मोहब्बत चली। चार साल तक एक-दूसरे को समझने के बाद दोनों ने एक साथ रहने का फैसला कर लिया। अमेरिकी लड़की अपने माता-पिता के साथ कुशीनगर पहुंची और सात फेरों के बंधन में बंध गई। दोनों की शादी को लेकर क्षेत्र में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही है।

पति की शर्मनाक हरकत, पत्नी ने मायके से रुपए नहीं मंगाए तो वायरल कर दीं अश्लील तस्वीरें

आगरा. आगरा के सदर क्षेत्र की रहने वाली इस युवती की शादी मई 2023 आगरा कैंट क्षेत्र निवासी युवक से हुई थी। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि पति को व्यापार के लिए दस लाख रुपये की जरूरत थी। उस पर मायके से दस लाख रुपये लेकर आने का दबाव बनाया। उसने साफ इनकार कर दिया। कहा कि पहले ही घरवालों ने शादी में बहुत खर्चा किया है। अब वह उनसे कुछ नहीं मांगेगी। यह बात पति, देवर और ससुर को नागवार गुजरी। विवाहिता का आरोप है कि ससुराल में जबरन उसके अश्लील फोटो खींचे गए। इसके बाद उसे बदनाम करने की धमकी दी जाने लगी। बार-बार दबाव बनाने के बावजूद जब दहेज की मांग पूरी नहीं हुई तो उसके आपत्तिजनक फोटो इंस्टाग्राम पर वायरल कर दिए गए।

पत्नी चीखती-चिल्लाती रही सिपाही ने आंखों के सामने कर ली खुदकुशी,

लखनऊ. लखनऊ में बंथरा थाने के सरकारी क्वार्टर में रह रहे सिपाही अजय सैनी की पत्नी रविवार दोपहर चीखती-चिल्लाती रही उसने फांसी लगा ली। शोर सुनकर जबतक थाने परिसर से महिला सिपाही दौड़कर पहुंची। पुलिस कर्मियों की मदद से खिड़की तोड़कर कमरे में पहुंची। अजय को फंदे से उतारकर अपोलो अस्पताल ले गई तबतक उसकी मौत हो चुकी थी। आंखों के सामने पति को फांसी लगाते देखने के बाद से काजल सदमे में है। घटना के बाद पुलिस ने उनके घरवालों को सूचना दे दी है। सूचना के बाद पुलिस अफसर मौके पहुंचे। पुलिस की प्राथमिक जांच में पता चला कि अजय का पत्नी से विवाद हुआ था। पारिवारिक कलह के चलते सिपाही अजय ने फांसी लगाई है। एसीपी कृष्णानगर सौम्या पांडेय के मुताबिक, फांसी लगाकर जान देने वाला अजय मूल रूप से बिजनौर जनपद के नहटौर के रहने वाले थे।

महाकुंभ का आखिरी अमृत स्नान

- 2.33 करोड़ ने डुबकी लगाई
- संगम से 10KM तक श्रद्धालुओं की भीड़, 30 देशों से लोग पहुंचे

प्रयागराज. वसंत पंचमी पर महाकुंभ का तीसरा और अंतिम अमृत स्नान जारी है। हाथों में तलवार-गदा, डमरू और शंख। शरीर पर भभूत। आंखों पर काला चश्मा। घोड़े और रथ की सवारी। हर-हर महादेव का जयघोष करते हुए साधु-संत स्नान के लिए संगम पहुंचे।

सबसे पहले पंचायती निरंजनी अखाड़े के संत संगम पहुंचे। फिर सबसे बड़े जूना अखाड़े के साथ किन्नर अखाड़े ने अमृत स्नान किया। कतार में आकर सभी 13

अखाड़ों ने स्नान किया।

संतों का आशीर्वाद लेने के लिए लाखों श्रद्धालु संगम पर थे। लोग नागा साधुओं की चरण रज माथे पर लगाते नजर आए। 30 से ज्यादा देशों के लोग भी अमृत स्नान देखने के लिए संगम पहुंचे हैं। हेलिकॉप्टर से संगम पर 20 क्विंटल फूल बरसाए गए।

संगम जाने वाले सभी रास्तों पर 10 किमी तक श्रद्धालुओं का रेला है। प्रयागराज जंक्शन से 8 से 10 किमी पैदल चलकर लोग संगम पहुंच रहे हैं। भीड़ को देखते हुए लेटे हनुमान मंदिर को बंद कर दिया गया है। मेला क्षेत्र के सभी रास्ते वन-वे हैं।

महाकुंभ का आज 22वां दिन है। 6 बजे तक 2.33 करोड़ श्रद्धालुओं ने स्नान किया। 13 जनवरी से अब तक 34.97 करोड़ से ज्यादा लोग डुबकी लगा चुके हैं।

दिल्ली चुनाव का प्रचार थमा

- केजरीवाल बोले- दिल्ली में AAP की 55 सीटें आ रहीं

नई दिल्ली. दिल्ली विधानसभा चुनाव का प्रचार सोमवार शाम 5 बजे थम गया। अब बुधवार को वोटिंग होगी और शनिवार को रिजल्ट आएगा। चुनाव प्रचार के आखिरी दिन AAP, भाजपा, कांग्रेस के नेताओं ने जमकर जनसंपर्क किया।

दिल्ली के पूर्व सीएम और AAP संयोजक अरविंद केजरीवाल ने X पर लिखा- मेरे अनुमान के मुताबिक आम आदमी पार्टी की 55 सीट आ रही हैं, लेकिन अगर महिलाएं जोर लगा दें, सभी वोट करने जाएं और अपने घर के पुरुषों को भी आम आदमी पार्टी को वोट देने के लिए समझाएं तो 60 से ज्यादा भी आ सकती हैं। उन्होंने एक वीडियो भी जारी किया।

सोनिया-पप्पू यादव के खिलाफ विशेषाधिकार हनन नोटिस

- दोनों ने राष्ट्रपति पर विवादित कमेंट किया था

नई दिल्ली. भाजपा सांसदों ने सोमवार को कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी और लोकसभा के निर्दलीय सांसद पप्पू यादव के खिलाफ विशेषाधिकार हनन का नोटिस दिया। बजट सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति मुर्मू पर किए सोनिया और पप्पू यादव के कमेंट पर नोटिस दिया गया है।

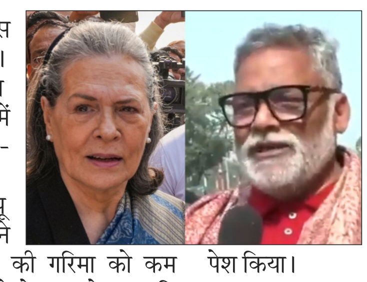

भाजपा के नोटिस में लिखा गया- सोनिया गांधी-पप्पू यादव ने सर्वोच्च पद की गरिमा को कम करने के इरादे से भारत के राष्ट्रपति के खिलाफ अपमानजनक और निंदनीय शब्दों का उपयोग किया है। इसलिए संसदीय विशेषाधिकार, नैतिकता और मर्यादा के उल्लंघन का नोटिस पेश किया।

दरअसल, 31 जनवरी को बजट सत्र के पहले दिन राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू पर ने दोनों सदनों को संबोधित किया था। उनके अभिभाषण पर सोनिया गांधी ने द्रौपदी मुर्मू के लिए 'बेचारी' शब्द इस्तेमाल किया था।

सोनिया ने कहा था कि अंत तक राष्ट्रपति बहुत थक गईं थीं। बह बेचारी मुश्किल से बोल पा रही थीं। पप्पू यादव ने टिप्पणी में कहा था कि राष्ट्रपति रबर स्टैंप की तरह हैं। वे बस लव लेटर पढ़ती रहती हैं। वहीं, राहुल गांधी ने भी राष्ट्रपति के भाषण को बोरिंग बताया था।

महाकुंभ भगदड़ पर संसद में विपक्ष का वॉकआउट

- मौतों का सही आंकड़ा बताने की मांग की
- खड़गे बोले- भगदड़ में हजारों लोग मारे गए

नई दिल्ली. संसद में बजट सेशन के तीसरे दिन सोमवार को महाकुंभ में भगदड़ से हुई मौतों को लेकर विपक्ष ने जमकर हंगामा किया। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी समेत तमाम विपक्षी दलों ने सरकार पर मौत का आंकड़ा छिपाने का आरोप लगाया। केंद्र और योगी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और मौतों की सही जानकारी देने की मांग की।

हंगामे को लेकर स्पीकर ओम बिरला नाराज हो गए। उन्होंने कहा- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी ने अपनी स्पीच में महाकुंभ का भी जिक्र किया है। अभी प्रश्नकाल है, इसलिए इस समय दूसरे किसी भी विषय पर चर्चा नहीं हो सकती। जनता ने आपको सवाल पूछने के लिए संसद भेजा है, मेज तोड़ने के लिए नहीं। आप अपने सवाल रखें।

इसके बाद भी विपक्षी सांसद हंगामा करते रहे। वे लगातार नारा लगा रहे थे- सरकार कुंभ में हुई मौतों का आंकड़ा जारी करे। केंद्र सरकार होश में आओ। योगी सरकार इस्तीफा दो। सनातन विरोधी सरकार इस्तीफा दो। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने वॉकआउट किया, हालांकि कुछ देर बाद वे वापस आ गए।

वहीं, राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- 29 जनवरी को महाकुंभ में हुई भगदड़ में मारे गए हजारों लोगों को मेरी श्रद्धांजलि। इस पर राज्यसभा के सभापति ने उन्हें बयान वापस लेने को कहा।

जवाब में खड़गे ने कहा कि, 'यह मेरा अनुमान है। अगर आंकड़े सही नहीं है तो सरकार को बताना चाहिए कि सच्चाई क्या है। मैंने किसी को दोषी ठहराने के लिए हजारों नहीं कहा। लेकिन कितने लोग मारे गए, कम से कम यह जानकारी तो दीजिए। अगर मैं गलत हूं तो मैं माफी मांगूंगा।'

अयोध्या राम मंदिर के मुख्य पुजारी को ब्रेन हेमरेज

- आचार्य सत्येंद्र दास लखनऊ PGI में भर्ती, हालत गंभीर
- भक्तों ने की प्रार्थना

अयोध्या. अयोध्या के श्री राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें लखनऊ के संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (SGPGI) में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार, उन्हें ब्रेन हेमरेज हुआ है, हालत नाजुक है।

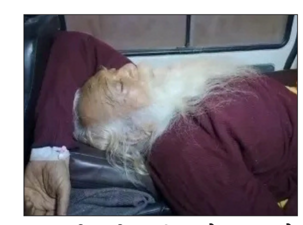

रविवार देर रात आचार्य सत्येंद्र दास की तबीयत बिगड़ने पर पहले उन्हें अयोध्या के सिटी न्यूरो केयर हॉस्पिटल ले जाया गया। उनकी स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने लखनऊ रेफर करने का निर्णय लिया। एम्बुलेंस से उन्हें लखनऊ लाया गया, यहां PGI के न्यूरोलॉजी विभाग की इमरजेंसी यूनिट में भर्ती किया गया।

संसद में तो थोड़ा सीरियस हो जाइए

चीन-अमेरिका पर राहुल ने क्या कह दिया कि भड़क गए मंत्री और स्पीकर

नई दिल्ली. संसद के बजट सत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा में भाग लेते हुए लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि मेक इन इंडिया अभियान के बावजूद हम बेरोजगारी की समस्या को सुलझा नहीं पाए हैं। उन्होंने कहा, "न तो यूपीए सरकार बेरोजगारी को लेकर युवाओं को कोई मार्ग दिखा पाई और ना ही मौजूदा सरकार कुछ कर पाई। मेरी इस बात से प्रधानमंत्री भी सहमत होंगे।" राहुल ने कहा कि देश में मैन्यूफैक्चरिंग 60 साल के निचले स्तर पर चला गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की 'मेक इन इंडिया' योजना अच्छी है लेकिन वह इसे लागू करने में फेल रहे। नेता विपक्ष ने कहा कि हमारे बिना अमेरिका में उत्पादन असंभव है। उन्होंने कहा कि उत्पादन पर अमेरिका-भारत साथ काम करे। इसके साथ ही राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि अगर प्रधानमंत्री ने नारों पर ध्यान देने के बजाय उत्पादन पर ध्यान दिया होता तो उन्हें अपने विदेश मंत्री को तीन-तीन बार अमेरिका नहीं भेजना पड़ता कि उन्हें अमेरिका आने का न्यौता मिल सके।

राहुल गांधी ने आरोप गाया कि विदेश मंत्री जयशंकर को तीन बार अमेरिका भेजा गया ताकि प्रधानमंत्री को वहां आने का न्योता मिल सके। राहुल की इस बात पर सत्ता पक्ष भड़क गया। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई और कहा कि इस तरह की बयानबाजी नहीं चलेगी। उन्होंने सदन से मांग की कि उनकी बातों को हटाया जाय। इसी बीच, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा,₹आप जो बोल रहे हैं, उसके तथ्यों को

कुलगाम में आतंकियों ने की फायरिंग, पूर्व सैनिक की मौत

कुलगाम. जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में सोमवार की दोपहर हुए एक आतंकवादी हमले में एक पूर्व सैन्यकर्मी मंजूर अहमद वागे की मौत हो गई, जबकि इस हमले में उनकी पत्नी और बेटी घायल हो गईं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों ने जिले के बेहिबाग इलाके में मंजूर अहमद वागे और उनकी पत्नी को उनके घर के पास जाकर गोली मार दी, जिसमें तीनों घायल हो गए। इसके बाद सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। अधिकारियों ने बताया कि पूर्व सैनिक के पेट में गोली लगी थी। गंभीर स्थिति में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी और बेटी के पैर में गोली लगी है। उन दोनों का इलाज अभी चल रहा है और उनकी हालत स्थिर बनी हुई है।

जर्मन कंपनी को भारत ने दिया सबसे बड़ा टैक्स नोटिस

मुंबई. जर्मन कार कंपनी फोल्क्सवागन को भारत ने 11,600 करोड़ रुपये का टैक्स नोटिस सौंपा है. कंपनी ने भारत पर जवाबी मुकदमा ठोक दिया है. जर्मनी की कार निर्माता फोल्क्सवागन ने भारतीय अधिकारियों के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट में याचिका दायर कर 1.4 अरब डॉलर यानी करीब 11,600 करोड़ रुपये के टैक्स नोटिस को चुनौती दी है.

कंपनी का कहना है कि यह मांग 'असंभव रूप से विशाल' है और भारत के आयात कर नियमों

के खिलाफ जाती है.सितंबर 2024 में भारतीय कस्टम विभाग ने फोल्क्सवागन इंडिया पर आरोप लगाया कि उसने फोल्क्सवागन, स्कोडा और ऑडी कारों को अलग-अलग पुर्जों के रूप में आयात कर टैक्स में हेरफेर किया.पूरी तरह से तैयार कारों पर 30-35 फीसदी आयात शुल्क लगता है, लेकिन अलग-अलग पार्ट्स लाने पर केवल 5-15 फीसदी टैक्स देना पड़ता है.अधिकारियों का आरोप है कि कंपनी ने 'लगभग पूरी कार' अलग-अलग हिस्सों में आयात कर टैक्स बचाने की कोशिश की.फोल्क्सवागन इंडिया ने कोर्ट में दावा किया कि उसने भारतीय सरकार को 2011 से अपनी 'पार्ट-बाई-पार्ट' आयात नीति की जानकारी दी थी और सरकार से इसे लेकर स्पष्टता भी ली थी.

अभिषेक शर्मा के टी-20 इनिंग में रिकॉर्ड 13 छक्के

- सबसे तेज शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय
- इंग्लैंड की टी-20 में सबसे बड़ी हार

अभिषेक शर्मा की रिकॉर्ड 135 रन की पारी से भारत ने पांचवें टी-20 में इंग्लैंड को 150 रन से हरा दिया। 248 रन का पीछा कर रही इंग्लैंड टीम भारतीय बॉलर्स के सामने टिक नहीं सकी और 10.3 ओवर में 97 रन पर ऑलआउट हो गई।

रविवार को रिकॉर्ड का दिन अभिषेक शर्मा के नाम रहा। अभिषेक भारत के लिए टी-20I इनिंग में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले प्लेयर बन गए। वे एक पारी में भारत के हाईएस्ट इंडिविजुअल स्कोर बनाने वाले प्लेयर भी बने। अभिषेक भारत के लिए दूसरा सबसे तेज अर्धशतक और शतक लगाने वाले बल्लेबाज हैं। 150 रन की हार इंग्लैंड की टी-20 में सबसे बड़ी हार है।

अभिषेक मैच के 10.1 ओवर में शतक लगाने वाले पहले इंटरनेशनल प्लेयर हैं। उनसे पहले 2023 में वेस्टइंडीज के खिलाफ साउथ अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक ने 10.2 ओवर में शतक लगाया था।

T20 सीरीज में सूर्यकुमार यादव 5.60 की औसत से 28 रन ही बना सके। यह टी-20 इंटरनेशनल सीरीज में किसी भारतीय कप्तान का सबसे कम औसत है। अभिषेक भारत के लिए 250 के स्ट्राइक रेट से सेंचुरी लगाने तीसरे प्लेयर हैं। 2017 में रोहित शर्मा ने श्रीलंका और 2024 में तिलक वर्मा साउथ अफ्रीका के खिलाफ 250 प्लस स्ट्राइक रेट से शतक लगा चुके हैं।

इस सीरीज में जोफ्रा आर्चर के खिलाफ 14 छक्के लगे, जो एक गेंदबाज के खिलाफ किसी सीरीज में लगे दूसरे सबसे ज्यादा छक्के रहे। 2021 में वेस्टइंडीज के खिलाफ साउथ अफ्रीका के लुंगी एनगिडी ने 16 छक्के दिए थे।

अमृतपाल पर दर्ज सभी FIR हाईकोर्ट ने मांगी

- 17 फरवरी तक रिपोर्ट देने का निर्देश
- डिब्रूगढ़ जेल में बंद है खडूर साहिब सांसद

चंडीगढ़. पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह और उनके साथियों के खिलाफ दर्ज सभी एफआईआर की पूरी जानकारी मांगी है। अमृतपाल सिंह और उनके साथी राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के तहत डिब्रूगढ़ जेल में बंद हैं।

हाईकोर्ट ने अमृतसर और मोगा के जिलाधिकारियों (डीएम) को इस संबंध में 17 फरवरी तक पूरी जानकारी कोर्ट में पेश करने का

निर्देश दिया है। यह मामला अमृतपाल सिंह और उनके साथियों की गिरफ्तारी और उनके खिलाफ दर्ज मामलों की पारदर्शिता से जुड़ा है। हाईकोर्ट के इस आदेश के बाद प्रशासन को अब तक की सभी एफआईआर और अन्य संबंधित दस्तावेज कोर्ट में पेश करने होंगे।

UAPA के तहत मामला दर्ज

सांसद अमृतपाल सिंह और विदेश में रह रहे आतंकी अर्शदीप सिंह उर्फ अर्श डल्ला पर भी यूएपीए (गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम) के तहत मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई फरीदकोट जिला पुलिस ने पंथक संगठनों से जुड़े युवक गुरप्रीत सिंह हरिनौ की हत्या के मामले में की है।

एसआइटी ने फरीदकोट कोर्ट को इस मामले में यूएपीए जोड़ने के बारे में लिखित में जानकारी दी थी। पंथक संगठनों और वारिस पंजाब संस्था के पूर्व वित्त सचिव गुरप्रीत सिंह हरिनौ की पिछले साल 9 अक्टूबर को उनके गांव में बाइक सवार बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

अभिनेता दीप सिद्धू की मौत के बाद वारिस पंजाब संस्था के प्रमुख अमृतपाल सिंह ने संस्था की कमान संभाली थी, जिसके बाद वित्त सचिव गुरप्रीत सिंह हरिनौ संस्था से अलग हो गए थे।

अप्रैल 2023 में अमृतपाल हुआ था गिरफ्तार

अमृतपाल सिंह को अप्रैल 2023 में पुलिस ने गिरफ्तार किया था। उसके बाद से ही उसे और उसके कुछ सहयोगियों को असम के डिब्रूगढ़ जेल में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (NSA) के तहत रखा गया है। उनके समर्थकों और कई संगठनों ने उनकी गिरफ्तारी पर सवाल उठाए हैं।

महाकुंभ भगदड़ पर सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

- कहा- घटना दुर्भाग्यपूर्ण, हाईकोर्ट जाएं

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को प्रयागराज महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए गाइडलाइन्स जारी करने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई से इनकार कर दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता को इलाहाबाद हाईकोर्ट जाने का निर्देश दिया।

कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार की इस दलील पर संज्ञान लिया कि इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका पहले ही दायर की जा चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने 29 नवंबर को कुंभ में भगदड़ की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। साथ ही याचिकाकर्ता को हाईकोर्ट जाने को कहा।

दरअसल, कुंभ में भगदड़ को लेकर सुप्रीम कोर्ट के वकील विशाल तिवारी ने जनहित याचिका दाखिल की थी। इसमें देशभर में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए दिशा-निर्देश देने और नियमों का पालन कराने की मांग की गई थी।

मौनी अमावस्या पर 28/29 जनवरी की रात करीब डेढ़ बजे संगम नोज पर भगदड़ मच गई थी। भीड़ ने लोगों को कुचल दिया था। सरकार के मुताबिक, 30 लोगों की मौत हुई और 60 घायल हो गए थे।

कांग्रेस नेता शशि थरूर की मुश्किलें बढ़ीं

- दिल्ली HC ने मानहानि केस में जारी किया समन

नई दिल्ली. दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार को कांग्रेस नेता शशि थरूर को समन जारी किया। यह समन बीजेपी नेता राजीव चंद्रशेखर द्वारा दायर मानहानि के मुकदमे में किया गया है। चंद्रशेखर ने थरूर से सार्वजनिक रूप से माफी मांगने और 10 करोड़ रुपए हर्जाना देने की मांग की है। चंद्रशेखर ने कोर्ट से थरूर को कोई भी मानहानिकारक बयान देने से रोकने का आदेश देने की प्रार्थना की है।

भाजपा नेता चंद्रशेखर ने यह मुकदमा 2024 के आम चुनावों के

दौरान शशि थरूर द्वारा दिए गए कथित झूठे और अपमानजनक बयानों को लेकर दायर किया था। कांग्रेस नेता ने तिरुवनंतपुरम निर्वाचन क्षेत्र में चंद्रशेखर पर मतदाताओं को रिश्वत देने का आरोप लगाया था।

जस्टिस पुरुषिंदर कुमार कौरव की बेंच ने शशि थरूर को समन जारी कर अपने ऊपर लगे मानहानि के आरोप पर जवाब देने का निर्देश दिया है। मामले की सुनवाई के बाद दिल्ली हाई कोर्ट ने शशि थरूर को समन जारी करते हुए 28 अप्रैल 2025 तक जवाब दाखिल करने को कहा।

राजीव चन्द्रशेखर ने दावा किया है कि राष्ट्रीय टेलीविजन चैनल पर की गई थरूर की टिप्पणी का उद्देश्य उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाना और चुनाव परिणामों को प्रभावित करना था। भाजपा नेता का तर्क है कि समाचार चैनलों और सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से प्रसारित किए गए झूठे आरोपों ने लोकसभा चुनाव के दौरान उनकी हार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

JNU रिपोर्ट- मुस्लिमों की आबादी बढ़ी

- घुसपैठियों के कारण अर्थव्यवस्था बर्बाद हो रही
- हेल्थ और एजुकेशन सिस्टम पर भी असर

नई दिल्ली. दिल्ली विधानसभा चुनाव में वोटिंग से पहले जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (JNU) की एक रिपोर्ट आई है। इसमें कहा गया है कि बांग्लादेश और म्यांमार से घुसपैठिए आ रहे हैं। इससे दिल्ली में मुस्लिमों की आबादी बढ़ी है।

बंग्लादेशी और म्यांमार के घुसपैठियों के कारण दिल्ली की डेमोग्राफी में बदलाव आया है, जो दिल्ली आज से 10-15 साल पहले हुआ करती थी, आज नहीं है। मुस्लिम आबादी के साथ ही शहर की जनसंख्या में भी बदलाव आया है। इसके कारण अर्थव्यवस्था बर्बाद हो रही है। संसाधनों पर भी दबाव बढ़ा है। हेल्थ और एजुकेशन सिस्टम पर भी असर पड़ा है। जो मजदूर वर्ग कल तक हरियाणा, पूर्वांचल, ओडिशा, केरल के लोग होते थे, वे अब रोहिंग्या हैं। इन्होंने गैरकानूनी तरीके से मजदूरों से काम छीन लिया है।

भाजपा सांसद संबित पात्रा ने बताया कि इस रिपोर्ट को प्रोफेसर मनुराधा चौधरी और उनके शोधकर्ताओं ने मिलकर बनाया है। उन्होंने कहा कि सबसे भयावह बात यह है कि राजनीतिक दल इसे बढ़ावा दे रहे हैं। ये जो रोहिंग्या आ रहे हैं, इनका कोई दस्तावेज नहीं है।

इन इलाकों में रहते हैं बांग्लादेशी और रोहिंग्या

रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि ये बांग्लादेशी और रोहिंग्या दिल्ली के जामिया नगर (शाहीन बाग), जाकिर नगर (ओखला), लाजपत नगर, सीलमपुर, सुल्तानपुरी, मुस्तफाबाद, निजामुद्दीन, सराय रोहिल्ला, शाहदरा, भलस्वा डेयरी, बवाना, द्वारका, रोहिणी, मोती नगर कैलाश नगर, खिचड़ीपुर, सराय काले खां, जाफराबाद, खान मार्केट, और गोविंदपुरी शामिल हैं।

संक्षेप...

बदलापुर मुठभेड़ मामला
आरोपी पुलिसकर्मी पहुंचे हाई कोर्ट

मुंबई. ठाणे स्थित बदलापुर यौन उत्पीड़न मामले के आरोपी अक्षय शिंदे की कथित मुठभेड़ के लिए जिम्मेदार,पांच पुलिस अधिकारियों में से चार ने उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है. अपनी याचिका में उन्होंने मजिस्ट्रेट द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट की प्रति की मांग की है. पुलिस अधिकारियों ने यह हस्तक्षेप आवेदन मृतक आरोपी अक्षय शिंदे के पिता अन्ना शिंदे द्वारा दायर याचिका में दायर किया है. जिसमें उनके बेटे की कथित हत्या की जांच और संबंधित पुलिस अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की गई है.

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते-डेरे और न्यायमूर्ति नीला गोखले की पीठ ने उन आवेदनों पर संज्ञान लिया. क्या राज्य सरकार ने मजिस्ट्रेट द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज करने का निर्णय लिया है? और कोर्ट ने राज्य सरकार से पूछा कि इस मामले की जांच कौन सी जांच एजेंसी करेगी.

नवी मुंबई एयरपोर्ट से मई में शुरू होंगी फ्लाइट सर्विस

नवी मुंबई. नवी मुंबई वासियों के लिए गुड न्यूज है। नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (एनएमआईए) से फ्लाइट सर्विस मई में शुरू होंगी।

एयरपोर्ट अथॉरिटी से मिली जानकारी के अनुसार नए एयरपोर्ट का उद्घाटन 17 अप्रैल को होगा। शुरुआत में केवल टी-1 टर्मिनल और एक रनवे से काम शुरू होगा। अन्य सुविधाएं भी चरणबद्ध तरीके से खोली जाएंगी।

मुंबई की उड़ानें नवी मुंबई में स्थानांतरित की जाएंगी।पिछले 70 वर्षों में मुंबई की आबादी 10 गुना बढ़ गई है, लेकिन हवाई अड्डा वही है। नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के खुलने के बाद, मुंबई हवाई अड्डे के टी 1 और टी 2 से संचालित कुछ उड़ानों को नए हवाई अड्डे पर स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

रायगढ़ जिले के उल्वे में एक नया हवाई अड्डा बनाया गया है। यहां वाणिज्यिक उड़ानें मई के अंत तक शुरू होने की उम्मीद है। उम्मीद है कि पहले कुछ महीनों में नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर 2 से 3 मिलियन यात्री आ सकते हैं।

अक्टूबर में बंद हो जाएगा मुंबई का टर्मिनल वन

मुंबई टी1 अक्टूबर 2025 तक बंद हो जाएगा। मुंबई में छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे ने 2024 में 5 .5 करोड़ यात्रियों को सेवा प्रदान की। मई से नवी मुंबई हवाई अड्डे से लगभग 1.1 करोड़ यात्री यात्रा करेंगे। मुंबई हवाई अड्डे का टी1 टर्मिनल पुनर्निर्माण के लिए अक्टूबर 2025 से बंद कर दिया जाएगा। इसके बाद यह 2029 में पुन: प्रारम्भ होगा। चार साल बाद मुंबई हवाई अड्डे की क्षमता 1.5 करोड़ से बढ़कर 2 करोड़ हो जाएगी।

मुंबई एयरपोर्ट से उड़ान भरते हैं डेढ़ करोड़ यात्री

वर्तमान में, 1.5 करोड़ यात्री मुंबई हवाई अड्डे के टी 1 से उड़ान भरते हैं। इनमें से 10 मिलियन यात्रियों को ले जाने वाली उड़ानें अक्टूबर के अंत तक नवी मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के टी1 पर स्थानांतरित कर दी जाएंगी। शेष 50 लाख यात्री मुम्बई में सहारा के टी2 तक यात्रा कर सकेंगे।2029 में नवी मुंबई में टी2 का निर्माण किया जाएगा। मुंबई के टी2 टर्मिनल की यात्री क्षमता 40 मिलियन से बढ़ाकर 4 .5 मिलियन की जाएगी। नवी मुंबई टी1 हवाई अड्डा 2026 के मध्य तक पूरी क्षमता से चालू हो जाएगा। इसलिए 2029 में नवी मुंबई में टी2 भी बनाया जाएगा।

काशीनाथ घाणेकर में राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. शहर स्थित डॉ. काशिनाथ घाणेकर सभागार में राष्ट्रभाषा विचार मंच और राजस्थानी सेवा समिति की ओर से राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया।इस कार्यक्रम के संयोजक एड.दरम्यान सिंह बिष्ट ने बताया कि कार्यक्रम में दिल्ली, जयपुर, इंदौर, उत्तर प्रदेश सहित देश के कोने कोने से आये कवि व कवित्रियों ने वीर रस, हास्य रस और देश भक्ति के कविता को सुनाकर उपस्थित हुए लोगों को खुश कर दिया। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम का संचालन मंच सम्राट शशिकांत यादव (देवांश) ने किया और कार्यक्रम में हास्य सम्राट सुदीप बोला, वीर रस के कवि अशोक चरण, गीतकार अमन अक्षर, हास्य कवि पार्थ नवीन, प्रियंका नंदनी, चेतन चर्चित सहित अन्य कवियों ने अपनी कविताओं से सभी को खूब हसी के ठहाके लगवाया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में ठाणे पुलिस सह आयुक्त ज्ञानेश्वर चव्हाण और अतिथि के रूप के बार काउंसिल ऑफ महाराष्ट्र एंड गोवा सदस्य एड सुदीप पासबोला, उद्योगपति अजिताभ बच्चन, ठाणे जिला न्यायालय बार एसोसिएशन के एड प्रशांत कदम मुलुंड कोर्ट बार एसोसिएशन अध्यक्ष एड राजेंद्र केनी, मुंबई शहर दीवानी व सत्र न्यायालय अध्यक्ष एड रविप्रकाश जाधव उपस्थित थे।इस कार्यक्रम में डॉ हरिवंशराय बच्चन साहित्य रत्न पुरष्कार अजिताभ बच्चन के हाथों से वरिष्ठ साहित्यकार डॉ अनिलकुमार सिंह को, महाराणा प्रताप शौर्य पुरस्कार कमांडो मधुसूदन सुर्वे को, छत्रपति शिवाजी महाराज शौर्य पुरस्कार अभिनेता प्रशांत दामले को व स्वर्गीय एड बी एल शर्मा साहित्य प्रेमी पुरस्कार साहित्यकार राजेंद्र दाधीच को दिया गया ।आयोजन समिति के सह संयोजक अरुण जोशी, आर के सिंह, एड सुभाष झा, महेश जोशी, राजेंद्र शर्मा, पवन शर्मा, विजय बसवतिया, मदन शर्मा, शेषकुमार उपाध्याय ने आये हुए अतिथियों का सत्कार किया ।कवि सम्मेलन को सफल बनाने में अनिल शुक्ला, सी.ए बाबूलाल पुरोहित, जगदेव खंडेलवाल, एड शंकर पडघने, आशीष शुक्ला, डॉ. राममूर्ति वर्मा, सुखबिंदर सिंह, लक्ष्मीकांत मूंदड़ा, मनीषा सिंह आदि के अथक परिश्रम से कार्यक्रम सफल हुआ।

भिवंडी में आरसीसी सड़क पूरी होने के पूर्व पड़ने लगी दरारें

- **पीडब्ल्यूडी ठेकेदारों पर घटिया निर्माण कर भारी भ्रष्टाचार का आरोप**

उल्हास विकास संवाददाता

भिवंडी. भिवंडी में पीडब्ल्यूडी निर्माण विभाग द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में निर्माणाधीन आरसीसी सड़कों में दरारें दिखने लगी हैं.क्वालिटी पूर्ण निर्माण नियमों को ताक पर रखकर घटिया मेटेरियल से निर्माण की जा रही सड़कें ठेकेदार द्वारा की गई भ्रष्टाचार की कहानी बयां कर रही हैं.समाजसेवक परमेश्वर अंबोरे ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस,पीडब्लूडी मंत्री,मुख्य सचिव को पत्र लिखकर सड़क निर्माण की जांच कराने एवं भ्रष्ट ठेकेदार को ब्लैकलिस्ट कर भुगतान रोकने की मांग की है.

गौरतलब हो कि,मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस सहित पीडब्ल्यूडी मंत्री,मुख्य सचिव को भेजे शिकायती पत्र में समाजसेवी परमेश्वर अंबोरे ने बताया है कि, भिवंडी मनपा क्षेत्र अंतर्गत मानसरोवर से कामतघर एवं ताड़ाली,दुर्गा माता मंदिर स्व.यशवंत चौधरी चौधरी फार्म हाउस,ओसवाल पार्क सहित कई जगहों पर आरसीसी सड़क निर्माण का कार्य पीडब्ल्यूडी विभाग के ठेकेदारों द्वारा बेहद घटिया तरीके से किया जा रहा है. ठेकेदारों द्वारा निर्माण संबंधित तमाम नियमों को दरकिनार कर भ्रष्ट तरीका अपनाते हुए घटिया मेटेरियल से सड़क का निर्माण किया जा रहा है.घटिया निर्माण की वजह से मानसरोवर आयुक्त निवास से कामतघर तक निर्माणाधीन आरसीसी सड़क में दरार पड़ना शुरू है.आरसीसी निर्माणाधीन सड़क पर दरारें दिखाई पड़ने से ठेकेदारों द्वारा किए जाने वाले घटिया निर्माण और भ्रष्टाचार की पोल खुल गई है.कामतघर में भी निर्माणाधीन सड़क दरार की चपेट में आकर पूर्ण होने के पहले ही टूटती हुई दिखाई पड़ना शुरू है.समाजसेवी अंबोरे का आरोप है कि, पीडब्ल्यूडी विभाग ठेकेदारों द्वारा आरसीसी सड़क निर्माण की खातिर सुरक्षा कारणों की अनदेखी किए जाने से नागरिकों को भारी दिक्कत उठानी पड़ रही है. सड़क किनारे गटर नहीं बनाया जाने से जलजमाव होना निश्चित है.मार्ग निर्माण कार्य बेहद धीमी गति से होने से आवागमन में भारी तकलीफ का सामना नागरिक उठा रहे हैं.

करोड़ों रुपए खर्च, काम की गुणवत्ता जीरो...

मुख्यमंत्री सहित अन्य शीर्ष अधिकारियों को भेजे पत्र में समाजसेवी परमेश्वर अंबोरे ने पीडब्ल्यूडी ठेकेदारों पर गंभीर आरोप लगाया है कि, सरकार नागरिकों की यातायात सुविधा के लिए आरसीसी सड़क निर्माण के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर रही है बावजूद ठेकेदार घटिया कार्य अंजाम देकर करोड़ों रुपए हजम कर रहे हैं .भिवंडी में आरसीसी सड़क बेहद घटिया क्वालिटी का निर्माण हो रही है . संबंधित विभागीय अधिकारी ठेकेदारों के हाथ की कठपुतली बनकर सिर्फ जेब भरने में जुटे हैं .कोई भी अधिकारी किसी भी प्रश्न का जवाब नहीं देता है .भिवंडी में आरसीसी सड़क निर्माण में ठेकेदारों का भ्रष्टाचार चरम पर है .आरसीसी सड़क निर्माण कार्यों की जांच कर ठेकेदारों को ब्लैकलिस्टेड और भुगतान रोकना बेहद जरूरी है .

'लोगों के भरोसे पर खरा उतरेगा महाराष्ट्र का बजट'

मुंबई. इस साल का महाराष्ट्र बजट लोगों के भरोसे पर खरा उतरेगा। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस के नेतृत्व में प्रस्तुत बजट किसानों, मध्यम वर्ग, महिलाओं, छात्रों और उद्यमियों के लिए वरदान साबित होगा। इसके अलावा उपमुख्यमंत्री अजीत पवार ने महाराष्ट्र के बजट की दिशा स्पष्ट करते हुए कहा कि कृषि और संबद्ध व्यवसायों को और बढ़ावा देने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) तकनीक विकसित करने के लिए एक पायलट प्रोजेक्ट के लिए इस साल के बजट में पर्याप्त प्रावधान किया जाएगा। अजीत पवार श्री स्वामी समर्थ सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ द्वारा शिरष्णे (ताल. बारामती) में नवनिर्मित दूध बल्क कूलर के उद्घाटन के अवसर पर बोल रहे थे। देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत बजट प्रावधानों को महाराष्ट्र के समग्र विकास और विशेष रूप से मध्यम वर्ग के कल्याण के लिए निर्णायक बताते हुए, अजीत पवार ने कहा, मैं केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा लिए गए निर्णयों का स्वागत करता हूं। महाराष्ट्र को बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए केंद्रीय बजट से पर्याप्त धनराशि प्राप्त हुई है। इससे पता चलता है कि प्रधानमंत्री मोदी का महाराष्ट्र पर विशेष ध्यान है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए टीडीएस सीमा 50,000 रुपये से बढ़ाकर 1 लाख रुपये करने का निर्णय भी स्वागत योग्य है। कैंसर और अन्य गंभीर बीमारियों के लिए 36 आवश्यक दवाओं पर सीमा शुल्क पूरी तरह माफ कर दिए जाने से ये दवाएं सस्ती हो जाएंगी। महाराष्ट्र शिक्षा, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी राज्य है।

वागले पुलिस ने किया अनोखा स्वच्छता अभियान

ठाणे. पुलिस का सामाजिक सौहार्द बनाए रखने की बड़ी जिम्मेदारी रहती है।वहीं थाना परिसर को साफ सुथरा रखने के लिए कोई कसर नही छोड़ रही है ।वागले पुलिस थाने परिसर को सप्ताह में एक दिन अधिकारी व पुलिसकर्मी कूड़ा करकट उठाकर परिसर को स्वच्छ करते हैं ।वागले इस्टेट एशिया में सबसे बड़े लघु औद्योगिक क्षेत्र के रूप में जाना जाता है ।अब समय के अनुसार यहां की फैक्ट्रियां बंद हो गई हैं और ऑफिस व हाउसिंग कॉम्प्लेक्स खड़े हो गए हैं। लेकिन वागले इस्टेट पुलिस थाना आज भी वैसा ही है ।क्षेत्र में कोई अपराध होता है तो पुलिस उस अपराध को सुलझाने के लिए ईमानदारी से प्रयास करती है और अब पुलिस हाथों में झाड़ू लेकर थाने परिसर की साफ-सफाई करती भी नजर आ रही है ।इसका कारण यह है कि थाने परिसर में विशालकाय पेडों से टहनियों व पत्तो का पतझड़ होता है और धूल,कागज,प्लास्टिक आदि के कारण गंदगी हो जाती है ।इसलिए पिछले कुछ दिनों से वागले इस्टेट पुलिस थाने में सप्ताह में एक दिन स्वच्छता अभियान चल रहा है ।यह स्वच्छता अभियान पुलिस आयुक्त आशुतोष डुंबरे के निर्देशानुसार किया जा रहा है ।यह जानकारी वागले पुलिस थाने के वरिष्ठ

शहर के कपूरबावड़ी पुलिस थाना क्षेत्र अंतर्गत के घोडबंदर रोड स्थित तत्त्वज्ञान विद्यापीठ के पास सोमवार को सुबह एक शराबी ड्राइवर ने कथित तौर पर तीन से चार वाहनों को टक्कर मार दी.

आम सूचना

मैं श्री जगदीश रामकृपाल मौर्या सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप, पान हाउस, बैरक नं. 1969/12 के पास, सामने नीलकंठ कालोनी, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 56डीओ013618800) उक्त प्रॉपर्टी श्री अमितकुमार सीताराम कोटारिया व श्री अनीलकुमार सीताराम कोटारिया के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 15.1.2025 सी.नं. 1960 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री जगदीश रामकृपाल मौर्या

सरस्वती पूजन की धूम

- **नवजीवन संघ ने मनाया शारदा महोत्सव**

मुंबई. विद्या की देवी मां सरस्वती के पूजन का पर्व सोमवार को धूमधाम के साथ मनाया गया। मुलुंड नवजीवन संघ के अध्यक्ष पिनाकी सारंगी, सेक्रेटरी विलास मुखर्जी, कोषाध्यक्ष सिद्धार्थ घटक, वाइस प्रेसिडेंट देवाशीष चटर्जी, देवाशीष बनर्जी, सदस्य अजयकर व अन्य संस्था सदस्य के सहयोग से सरस्वती पूजन महोत्सव मुलुंड के मदन मोहन मालवीय रोड स्थित गार्डन में धूमधाम से मनाया गया। भक्तों में सुबह से ही मां के पूजन को लेकर उत्साह बना रहा। इस संस्था द्वारा पिछले13 सालों से सरस्वती पूजा महोत्सव मनाया जा रह है।

SST महाविद्यालय लगातार दूसरे वर्ष बना चैंपियन

- **आंतर महाविद्यालयीन 'एलिसियम फेस्टिवल' में शानदार जीत**

उल्हासनगर. एसएसटी कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय ने अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए विलेपार्ले स्थित आमलानी महाविद्यालय के DLLE विभाग द्वारा आयोजित आंतर महाविद्यालयीन 'एलिसियम फेस्टिवल 2024-25' में लगातार दूसरे वर्ष चैंपियन का खिताब हासिल किया है। हाल ही में संपन्न हुई इस प्रतिष्ठित अंतर महाविद्यालयीन महोत्सव में एसएसटी महाविद्यालय के DLLE यूनिट के स्वयंसेवकों ने अपने उत्कृष्ट कौशल और रचनात्मकता का प्रदर्शन कर अपना वर्चस्व साबित किया। प्रतियोगिता में स्ट्रीट प्ले और मेहंदी जैसी दो प्रमुख स्पर्धाओं में पहला स्थान, हैप्पी मोमेंट्स में दूसरा स्थान, तथा रंगोली और स्केच में तीसरा स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय ने शानदार प्रदर्शन किया। इसके अलावा, फायरलेस कुकिंग स्पर्धा में सांत्वना पुरस्कार प्राप्त कर विद्यार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई।

यह लगातार दूसरा वर्ष है जब एसएसटी महाविद्यालय ने यह चैंपियनशिप जीतकर अपने DLLE यूनिट के स्वयंसेवकों की मेहनत और सृजनात्मकता को साबित किया है। इस जीत में DLLE जिला समन्वयक प्रो. दिलीप आहूजा ने विद्यार्थियों के साथ अथक परिश्रम कर उन्हें मार्गदर्शन प्रदान किया। उनके नेतृत्व में विद्यार्थियों ने बेहतरीन प्रदर्शन कर महाविद्यालय का सम्मान बढ़ाया।

इस उल्लेखनीय उपलब्धि से महाविद्यालय के गौरव में एक और प्रतिष्ठित सम्मान जुड़ गया है। इस सफलता पर महाविद्यालय प्रबंधन, प्राचार्य, शिक्षकों एवं छात्रों ने विजेता टीम को हार्दिक बधाई दी तथा भविष्य की प्रतियोगिताओं के लिए शुभकामनाएँ दीं।

जब ऐश्वर्या राय को नहीं छोड़ा तो मैं कौन हूं?

- **बॉडी शेमिंग पर बोलीं स्वरा भास्कर**

बॉलीवुड एक्ट्रेस स्वरा भास्कर उन हिरोइनों में से हैं जो खुलकर अपनी बात रखना जानती हैं। स्वरा भास्कर राजनीति से लेकर बॉलीवुड के तमाम मुद्दों पर अपनी राय रखना जानती हैं। अब स्वरा भास्कर ने महिलाओं की बॉडी शेमिंग के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि कैसे अपनी बेटी को जन्म देने के बाद उनकी बॉडी शेमिंग हुई। इस बारे में बात करते हुए स्वरा भास्कर ने ऐश्वर्या राय से तुलना करते हुए कहा कि उन्होंने जब आराध्या को जन्म दिया था उसके बाद उन्हें भी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था।

बीबीसी न्यूज से खास बातचीत में स्वरा भास्कर ने कहा, ₹जो महिलाएं समाज की नजर में होती हैं, खासकर ग्लैमर वर्ल्ड में, उन्हें कभी अकेला नहीं छोड़ा जाता है। आप क्या कर रहे हैं, कैसे कर रहे हैं, आप इससे कैसे गुजर रहे हैं और ना जाने क्या...इसको लेकर हमेशा उन्हें सवालों के घेरे में रखा जाता है।₹

इंटरव्यू में ऐश्वर्या से पूछा गया वजन पर सवाल

स्वरा भास्कर ने आगे कहा, मुझे याद है जब ऐश्वर्या राय ने अपने बच्चे (आराध्या) को जन्म दिया था तो पोस्टपार्टम वजन की वजह उन्हें भी निगेटिव और भयानक बातों का सामना करना पड़ा था। जानबूझकर उनकी अप्रिय तस्वीरें ली गईं और हर जगह उन्हें पब्लिश किया गया। मुझे याद है मैं उनका एक इंटरव्यू देख रही थी और इंटरव्यू लेने वाला शख्स इस बारे में बात कर रहा था कि कैसे वो और हिरोइनों की तरह बच्चे को जन्म देने के बाद शेप में नहीं आईं। उन्होंने बहुत ग्रेस से उस सवाल को हैंडल किया था।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099